RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:230 ता. 01 मार्च 2024, शुक्रवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

संजय राउत के बिगड़े बोल, नई संसद को पांच सितारा जेल बताया

मुंबई । लोकसभा चुनाव की गहमागहमी के बीच, शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट के प्रमुख नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने विवादित बयान दिया है। दरअसल 29 फरवरी को आयोजित प्रेसवार्ता में राउत ने नई संसद भवन की तुलना फाइव स्टार जेल से की है। राउत ने कहा, नई संसद एक पांच सितारा जेल की तरह है, जहां आप काम नहीं कर सकते। जब हम अपनी सरकार बनाएंगे तब हम अपनी ऐतिहासिक संसद (पुरानी संसद) में अपना संसद सत्र शुरू करने वाले हैं। उन्होंने पीएम मोदी की यवतमाल रैली पर भी हमला बोला, जहां उन्होंने पीएम किसान सम्मान निधि और महाराष्ट्र राज्य नमो शेतकारी सम्मान योजना के तहत धनराशि वितरित की। जिसमें किसानों को 12,000 रुपये (केंद्र और राज्य प्रत्येक से 6,000 रुपये) का वार्षिक ऋण शामिल है। गौरतलब है कि इसके पहले संजय राउत ने कहा था कि महा विकास आघाडी (एमवीएम) गठबंधन के सदस्य आगामी लोकसभा चुनाव के लिए महाराष्ट्र में सीट-बंटवारे पर सहमत हो गए हैं और इसकी जल्द ही घोषणा की जाएगी। उन्होंने बयान मुंबई में कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) और शिवसेना (यूबीटी) की बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत में दिया था। राउत ने कहा, कि फैसले को अंतिम मंजूरी देने के लिए शरद पवार, उद्धव ठाकरे, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले और प्रकाश आंबेडकर मुलाकात कर जिसकी घोषणा संवाददाता सम्मेलन में की जाएगी।

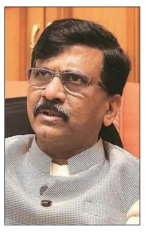

अगर मुझे गिरफ्तार किया गया तो करोड़ों मराठा भूख हड़ताल करेंगे: मनोज जरांग

छत्रपति संभाजीनगर। आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि अगर उन्हें गिरफ्तार किया गया तो करोड़ों मराठा भूख हड़ताल करेंगे। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर के एक निजी अस्पताल में पत्रकारों से बात करते हुए जरांगे ने कहा कि मराठा समुदाय अपने अधिकारों के लिए लड़ रहा है। जरांगे तीन दिन पहले जालना में अपने पैतृक गांव अंतरवाली सरती में अनशन खत्म करने के बाद निजी अस्पताल में इलाज करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार के पास अब भी सेज सोयरे (कुनबी मराठों के रक्त संबंधी) मसौदा अधिसूचना को लागू करने का मौका है, समुदाय इसकी सराहना करेगा। पात्र कुनबी (ओबीसी) मराठों को प्रमाण पत्र जारी करने के लिए जनवरी में मसौदा अधिसूचना जारी की गई थी। जरांगे ने हाल ही में महाराष्ट्र विधानमंडल द्वारा एक विशेष श्रेणी के तहत मराठा समुदाय को दिए गए 10 प्रतिशत आरक्षण को लेकर एक बार फिर आपत्ति जताई। रविवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस के खिलाफ आपत्तिजनक का इस्तेमाल करने के लिए जरांगे की आलोचना हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया था कि भाजपा नेता उन्हें जान मारने की कोशिश कर रहे हैं।

सुक्खू को राहत...आम चुनाव तक बने रह सकते हैं सीएम

शिमला । हिमाचल में उठा सियासी संकट थमता दिख रहा हैं। सुखविंदर सिंह सुक्खू के लिए बड़ी राहत यह है कि कांग्रेस उन्हें लोकसभा चुनाव तक मुख्यमंत्री पद पर बने रहने की अनुमति दे सकती है। सूत्रों के बताया कि कांग्रेस हाईकमान को डर है कि इस बदलाव से सुक्खू गुट के विधायक बगावत कर सकते हैं। साथ ही, लोकसभा चुनाव में अब ज्यादा समय नहीं बचा है, इसलिए राज्य में स्थिरता बनाए रखने के लिए मौजूदा व्यवस्था को लागू करना ही बेहतर होगा। इस बीच, कांग्रेस पर्यवेक्षक भूपेन्द्र सिंह हुड्डा और डीके शिवकुमार, जिन्हें पहाड़ी राज्य भेजा गया है, बागी विधायकों के साथ बैठक करना जारी रखे हुए है। बताया जा रहा है पर्यवेक्षक सभी विधायकों से वन-टू-वन बातचीत कर रहे हैं। इसके बाद अंतिम रिपोर्ट कांग्रेस अध्यक्ष को सौंपी जाएगी। नाटकीय घटनाक्रम के बीच कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश में अपनी सरकार बचाने के लिए संघर्ष किया, जिसमें अध्यक्ष द्वारा 15 भाजपा विधायकों को निलंबित करना और हाई-प्रोफाइल मंत्री विक्रमादित्य सिंह द्वारा इस्तीफे की पेशकश शामिल थी। सिंह, जो हिमाचल कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह के बेटे हैं, उन्होंने सुबह कहा कि वह मंत्रिपरिषद से अपना इस्तीफा सौंप रहे हैं, लेकिन कुछ घंटों बाद उन्होंने अपना रुख नरम कर लिया।

भारत, बांग्लादेश के बीच महानिदेशक स्तर की सीमा वार्ता अगले महीने ढाका में होगी

नई दिल्ली। भारत और बांग्लादेश के बीच द्वि-वार्षिक महानिदेशक-स्तरीय सीमा वार्ता अगले माह ढाका में आयोजित होगी, जिसमें सीमा पार अपराधों पर अंकुश लगाने और उनके सुरक्षा बलों तथा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। आधिकारिक सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिदेशक नितिन अग्रवाल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल पांच से नौ मार्च तक होने वाली बैठक के लिए बांग्लादेश की यात्रा पर जाएगा।

मॉरीशस के अगालेगा द्वीप में हवाई पट्टी और जेट्टी का उद्घाटन, प्रधानमंत्री वर्चुअली जुड़े

नई दिल्ली(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से मॉरीशस के अगालेगा द्वीप में छह सामुदायिक विकास परियोजनाओं के साथ-साथ नई हवाई पट्टी और सेंट जेम्स जेट्टी का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। मॉरीशस के लोगों को भारत में बनी बेहतर क्वालिटी वाली जेनेरिक दवाइयों का लाभ देने के लिए द्वीपीय देश अपने यहां जन औषधी केन्द्र खोलेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान अपने संबोधन में कहा कि मॉरीशस भारत का एक मूल्यवान मित्र है। प्रधानमंत्री ने द्वीप राष्ट्र में भारत की विकास पहल पर प्रकाश डाला और कहा कि आज जिन परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया है, वे हमारे देशों के बीच साझेदारी को और मजबूत करेंगी।

मोदी ने कहा कि मॉरीशस हमारी 'नेबरहुड फर्स्ट' पॉलिसी का अहम भागीदार है। हमारे विजन 'सागर' के अंतर्गत मॉरीशस हमारा विशिष्ट सहयोगी है। ग्लोबल साउथ का सदस्य होने के नाते हमारी समान प्राथमिकताएं हैं। पिछले छह महीनों में यह हमारी पांचवीं बैठक है। यही तथ्य भारत और मॉरीशस के बीच जीवंत, मजबूत और अद्वितीय साझेदारी को व्यक्त करता है।

उन्होंने कहा कि भारत ने हमेशा मॉरीशस की जरूरतों का सम्मान किया है। संकट कोविड महामारी का हो या तेल रिसाव का, भारत हमेशा अपने मित्र मॉरीशस के लिए फर्स्ट रिस्पांडर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में हमारे संबंधों में अभूतपूर्व मजबूती आई है। आज हमने आपसी सहयोग की नई ऊंचाईयां हासिल की हैं। साथ ही, हमारे सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंध पहले से कहीं अधिक मजबूत हुए हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और मॉरीशस, समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में स्वाभाविक साझेदार हैं। हिंद महासागर क्षेत्र में अनेक पारंपरिक और गैर-पारंपरिक चुनौतियां उभर रही हैं। ये सभी चुनौतियां हमारी अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती हैं। इनसे निपटने के लिए भारत और मॉरीशस समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में स्वाभाविक साझेदार हैं।

भारत की तर्ज पर मॉरीशस में जन औषधि केंद्र खोलने के निर्णय पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वे प्रधानमंत्री जगन्नाथ की सराहना करता हैं कि उन्होंने मॉरीशस में जन औषधि केंद्र खोलने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि मॉरीशस पहला देश होगा जो हमारी जन-औषधि पहल से जुड़ेगा। इससे मॉरीशस के लोगों को भारत में बनी बेहतर क्वालिटी वाली जेनेरिक दवाइयों का लाभ मिलेगा। उल्लेखनीय है कि हाल ही में 12 फरवरी को दोनों नेताओं ने मॉरीशस में यूनीफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) और रूपे कार्ड सेवाओं का शुभारंभ किया गया था।

सैकड़ों महिलाओं का यौन उत्पीड़न करने के मामले में टीएमसी नेता शाहजहां गिरफ्तार

कोलकाता (एजेंसी)। संदेशखाली में गरीब महिलाओं का यौन उत्पीडन,अपहरण और जमीन पर कब्जा करने वाला टीएमसी नेता शाहजहां शेख को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शेख करीब दो महीने से फरार था। भाजपा ने राज्य की ममता सरकार पर उसे संरक्षण देने के आरोप लगाए थे। गिरफ्तारी के लिए लगाता धरना प्रदर्शन चल रहे थे। बीजेपी ने टीएमसी की सरकार पर शेख को बचाने का आरोप लगया था। शाहजहां खान को उत्तर 24 परगना जिला से पश्चिम बंगाल पुलिस के द्वारा गिरफ्तार किया है। आपको बता दें कि टीएमसी नेता करीब 58 दिनों से फरार था। गिरफ्तारी की जानकारी देते मिनाखान के एसडीपीओ अमीनुल इस्लाम खान के हवाले से कहा कि टीएमसी नेता शेख शाहजहां को पश्चिम बंगाल पुलिस ने उत्तर 24 परगना के मिनाखान इलाके से गिरफ्तार किया। उसे बशीरहाट कोर्ट ले जाया गया।

भाजपा शुभेंदु अधिकारी ने एक्स पर दावा किया कि शेख मध्यरात्रि 12 बजे से पुलिस हिरासत में है। अधिकारी ने कहा, प्रभावशाली मध्यस्थों के माध्यम से पुलिस के साथ समझौता कर शेख को बरमाजुर ग्राम पंचायत से ले जाया गया। शेख को पुलिस और न्यायिक हिरासत के दौरान उचित देखभाल के समझौते के तहत हिरासत में लिया गया।उन्होंने दावा किया, शेख को सलाखों के पीछे रहने के दौरान पांच सितारा होटल वाली सुविधाएं प्रदान की जाएंगी और उसे एक मोबाइल फोन भी दिया जाएगा, जिसके माध्यम से वह टीएमसी के नेताओं से संपर्क कर सकेगा। और तो और शेख को वुडबर्न वार्ड (सरकारी एसएसकेएम अस्पताल) में एक बिस्तर भी उपलब्ध कराया जाएगा अगर वह वहां कुछ समय बिताना चाहें तो बिता सकता है, जिसे तैयार कर खाली रखा गया है। बता दें कि शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार को दावा किया था टीएमसी नेता कल रात से बंगाल पुलिस की सुरक्षित हिरासत में हैं। वहीं सत्तारूढ़ टीएमसी ने शुभेंदु के दावे को निराधार और कानून-व्यवस्था को बिगाड़ने वाला बताते हुए खारिज कर दिया था। टीएमसी ने जोर देते हुए कहा कि पुलिस शेख को पकड़ने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने बुधवार को निर्देश दिया था कि संदेशखाली में महिलाओं पर यौन अत्याचार और जमीन हड़पने के मामले के मुख्य आरोपी तृणमूल कांग्रेस नेता शाहजहां शेख को पश्चिम बंगाल पुलिस के अलावा सीबीआई और ईडी भी गिरफ्तार कर सकती है। राज्य महाधिवक्ता की अर्जी पर अदालत ने 26 फरवरी को जारी अपने आदेश को स्पष्ट किया, जिसमें पुलिस को शेख की गिरफ्तारी का आदेश दिया गया था।

केजरीवाल ने विधानसभा में कहा....माई के लाल हो तब चलो एलजी के पास

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल फिर एलजी वीके सक्सेना और भारतीय जनता पार्टी पर विधानसभा में जमकर बरस पड़े। गुरुवार को विधानसभा में मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि एलजी सक्सेना ने अधिकारियों को धमकी देकर बस मार्शल योजना पर रोक लगा दी। उन्होंने कहा कि भाजपा पर बस मार्शल के लिए मगरमच्छ के आंसू बहा रही है। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा सच में मार्शल के साथ खड़े हैं, तब उनके साथ एलजी के पास जाकर दुबारा नियुक्त कराएं।

दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) और क्लस्टर बस में मार्शल के रूप में तैनात सिविल सिक्यॉरिटी वॉलंटियर्स को हटाने के मुद्दे पर दिल्ली विधानसभा में केजरीवाल ने कहा कि यह योजना 2015 से 2022 तक सुचारू रूप से चली। केजरीवाल ने कहा, हमारी सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के वादे के साथ 2015 में सरकार बनाई थी। सरकार ने पांच साल में सीसीटीवी कैमरे लगाए, अंधेरे वाले स्थानों पर स्ट्रीट लाइट लगाईं और बसों में सीसीटीवी कैमरे और 'पैनिक बटन' लगाए और मार्शल तैनात किए। केजरीवाल ने कहा कि बस मार्शल योजना के तहत 8 साल तक सुचारू रूप से काम हुआ लेकिन 2023 में अधिकारियों ने यह कहकर सवाल उठाने शुरू कर दिए कि ये वॉलंटियर्स मार्शल के रूप में काम नहीं कर सकते। केजरीवाल ने आरोप लगाया, एलजी ने अधिकारियों को बस मार्शल योजना को रोकने के लिए कहा है।

भाजपा में शामिल हुए बीआरएस सांसद पी रामुलु

नई दिल्ली, । तेलंगाना से भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के सांसद व दलित नेता पी रामुलु बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। वह लोकसभा में नागरकुरनूल (आरक्षित) संसदीय सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर, भाजपा संसदीय बोर्ड के सदस्य के लक्ष्मण, राष्ट्रीय महासचिव व तेलंगाना के प्रभारी तरुण चुघ और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डी के अरुणा की मौजूदगी में रामुलु ने भाजपा की सदस्यता ली। इस अवसर पर रामुलु के साथ बीआरएस के कुछ अन्य नेता भी भाजपा में शामिल हुए। रामुलु तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती सरकार में खेल व युवा मामलों के मंत्री भी रहे हैं।

मोदी के किसानों से किये वादे फर्जी निकले: खडगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों से जो वादे किए थे, वे पूरे नहीं कर देश के किसानों के साथ विश्वासघात किया है। श्री खडगे ने गुरुवार को एक्स पर कहा, ‘16 साल पहले, कांग्रेस-संप्रग सरकार ने 3.73 करोड़ किसानों का 72,000 करोड़ कृषि ऋण तथा ब्याज़ माफ किया था। ये कांग्रेस की गारंटी थी जो पूरी हुई। केवल कांग्रेस ही अपनी गारंटी पूरी करती है।' श्री मोदी पर किसानों से किए वादे पूरे नहीं करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, 'मोदी जी ने किसानों से दो बड़े वादे किए, पहला, लागत और उसका 50 प्रतिशत एमएसपी का दूसरा, 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का लेकिन 'मोदी की दोनों गारंटी' फ़र्ज़ी निकली और किसानों की हालत बदतर हुई।' उन्होंने कहा, 'कांग्रेस ने किसानों से फिर वादा किया है, 15 करोड़ किसान परिवारों को एमएसपी की लीगल गारंटी देंगे। जय किसान जय हिंदुस्तान।' इस बीच पार्टी ने एक्स पर अपने आधिकारिक पेज पर बेरोजगारी को लेकर भी सरकार पर हमला किया और कहा 'देश में बेरोजगारी का सच जान लीजिए। हरियाणा में चपरासी के 12 पदों पर भर्ती निकली। इन 12 पदों के लिए 9000 से अधिक अभ्यर्थियों ने आवेदन कर दिया। बेरोजगारी का ऐसा भयावह आलम कि चपरासी की नौकरी के लिए आवेदन करने बलों में बीटेक तथा एमटेक डिग्रीधारी हैं। भाजपा देश के युवाओं की दुश्मन है क्योंकि ना ये नौकरी दे पा रहे हैं और ना ही पेपर लीक होने से बचा पा रहे हैं। भाजपा की सरकारों ने युवाओं का भविष्य बेरोजगारी के अंधकार में झोंक दिया है।'

आदिवासियों को परिपूर्णता से अपना जीवन जीना चाहिए : द्रौपदी मुर्मू

क्योंझर (ओडिशा) (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को कहा कि आदिवासियों को सरकार और समाज के सहयोग से अपना जीवन परिपूर्णता से जीना चाहिए। मुर्मू ने ओडिशा के क्योंझर जिले के गोनासिका में पीवीटीजी (विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह) जुआंग जनजाति के लोगों के साथ बातचीत के दौरान यह बात कही।

राष्ट्रपति ने बातचीत के दौरान सभी पुरुष और महिलाओं से कहा, 'उड़िया में एक कहावत है कि 'ढोके पी, दांडे जी' (एक बूंद पियें और थोड़ी देर जियें)। लेकिन, हम आदिवासी अब एक बूंद भी नहीं पियेंगे, हमें परिपूर्णता से जीवन जीना चाहिए, कुछ देर के लिए नहीं।÷ राज्य में अपनी चार दिवसीय यात्रा के दूसरे दिन मुर्मू क्योंझर जिले में पहुंची और वहां उन्होंने जुआंग जनजाति के पुरुष और महिलाओं से बातचीत की, और आदिवासियों की शिक्षा, प्रशिक्षण, रोजगार और स्वास्थ्य पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यदि आदिवासी आर्थिक रूप से स्वतंत्र हो जाएं तो वे आत्मनिर्भर हो सकते हैं। राष्ट्रपति ने वहां उपस्थित लोगों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि आदिवासी बच्चे अपनी पढ़ाई बीच में ना छोड़ें। साथ ही उन्होंने कहा कि यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह पढ़ाई छोड़ने वाले आदिवासी बच्चों की पहचान करें और उन्हें व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करें।

मुर्मू ने जिलाधिकारियों से बेरोजगार आदिवासी युवाओं को सहयोग करने के लिए कहा। उन्होंने कहा, 'उनके प्रशिक्षण के बाद आदिवासियों को वित्तीय सहायता प्रदान की जानी चाहिए ताकि वे सम्मान के साथ अपनी आजीविका कमा सकें।' उन्होंने जनजातीय सभा से विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक होने और उनका लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आदिवासी लोग अब 2029 तक मुफ्त चावल पाने के हकदार हैं और किसी को अगले पांच वर्ष तक भोजन के बारे में चिंतित नहीं होना चाहिए। आदिवासी पुरुषों और महिलाओं दोनों को शिक्षा, प्रशिक्षण और रोजगार पर जोर देना चाहिए। मुर्मू ने सभा को बताया कि केंद्र सरकार ने तीन वर्षों में 75 पीवीटीजी के विकास के लिए 24,000 करोड़ रुपये की योजना तैयार की है। उन्होंने कहा, 'आवश्यकता पड़ने पर सरकार अधिक सहायता देने के लिए भी तैयार है।' उन्होंने कहा कि यह योजना भोजन, पेयजल, घर, सड़क, स्कूल और स्वास्थ्य जैसे उनके मुद्दों का ध्यान रखेगी।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को मंत्रिमंडल की मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने छत पर सौर ऊर्जा स्थापित करने और एक करोड़ घरों के लिए हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान करने के लिए 75,021 करोड़ रुपये के कुल व्यय के साथ पीएम-सूर्य घर, मुफ्त बिजली योजना को मंजूरी दे दी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में गुरूवार को यहां हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। प्रधानमंत्री ने गत 13 फरवरी को इस योजना की शुरुआत की थी।

यह योजना 2 किलोवाट सिस्टम के लिए सिस्टम लागत का 60 प्रतिशत सीएफए और 2 से 3 किलोवाट क्षमता के सिस्टम के लिए 40 प्रतिशत अतिरिक्त सिस्टम लागत प्रदान करती है। सीएफए को 3 किलोवाट पर सीमित किया जाएगा। मौजूदा बेंचमार्क कीमतों पर 1 किलोवाट सिस्टम के लिए 30,000 रुपये, 2 किलोवाट सिस्टम के लिए 60,000 रुपये और 3 किलोवाट सिस्टम या उससे अधिक के लिए 78,000 रुपये की सब्सिडी होगी। लोग परिवार राष्ट्रीय पोर्टल के माध्यम से सब्सिडी के लिए आवेदन करेंगे और छत पर सौर ऊर्जा स्थापित करने के लिए एक उपयुक्त विक्रेता का चयन करने में सक्षम होंगे। राष्ट्रीय पोर्टल उचित सिस्टम आकार, लाभ कैलकुलेटर, विक्रेता रेटिंग आदि जैसी प्रासंगिक जानकारी प्रदान करके परिवारों को उनकी निर्णय लेने की प्रक्रिया में सहायता करेगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में छत पर सौर ऊर्जा अपनाने के लिए रोल मॉडल के रूप में कार्य करने के लिए देश के प्रत्येक जिले में एक मॉडल सौर गांव विकसित किया जाएगा। शहरी स्थानीय निकाय और पंचायती राज संस्थान भी अपने क्षेत्रों में आरटीएस स्थापनाओं को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन से लाभान्वित होंगे। यह योजना नवीकरणीय ऊर्जा सेवा कंपनी (आरईएससीओ) आधारित मॉडलों के लिए भुगतान सुरक्षा के लिए एक घटक के साथ-साथ आरटीएस में नवीन परियोजनाओं के लिए एक फंड प्रदान करती है। इस योजना के माध्यम से परिवार बिजली बिल बचाने के साथ-साथ डिस्कॉम को अधिशेष बिजली की बिक्री के माध्यम से अतिरिक्त आय अर्जित कर सकेंगे।

पूनम पांडेय की तरह फेंक निकली आंचल तिवारी की मौत की खबर

मुंबई ।25 फरवरी को भयानक सड़क हादसा हुआ था। इसमें 9 लोगों की मौत की खबर सामने आई थी, जिसमें एक नाम आंचल तिवारी का था। इसके बाद मानो हर कोई 'पंचायत 2 अभिनेत्री आंचल तिवारी के निधन पर अचंभित था। लेकिन आंचल ने वीडियो शेयर कर खबर को अफवाह बताया है। बता दें कि आंचल के नाम पर एक बड़ी कंफ्यूजन हो गई है। हादसे में जिसकी मौत हुई वह एक भोजपुरी अभिनेत्री थी, लेकिन नाम आंचल होने के कारण लोगों को लगा की पंचायत' की अभिनेत्री आंचल की मौत हुई है। अपनी मौत की झूठी खबर फैलाने वालों को अब आंचल ने सरेआम फटकार लगा दी है। साथ ही कुछ मीडिया घरानों का नाम लेकर उन्हें रिसर्च करने की सलाह तक दे दी है। जैसे ही उनका वीडियो सामने आया उसके बाद से ही आंचल की तुलना अभिनेत्री पूनम पांडेय से होनी शुरू हो गई। हाल ही में पूनम पांडेय ने भी फेक डेथ प्रैंक कर खूब लाइमलाइट बटोरी थी।

सावधान...बिहार में कोरोना ने दी दस्तक, 22 मरीज सामने आए

पटना । बिहार में फिर से कोरोना ने दस्तक दे दी है। खासकर राजधानी पटना में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। पिछले दो दिनों में पटना में 22 कोरोना संक्रमित मरीज सामने आए हैं। लेकिन ये सिर्फ सरकारी आंकड़े हैं। क्योंकि इससे भी अधिक पटना में लोग कोरोना संक्रमित हैं। लेकिन वे जांच नहीं करा रहे हैं, इसकारण उनके आंकड़े सामने नहीं आ पा रहे हैं। इस बार शहरों के मुकाबले ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना संक्रमित मरीज अधिक आ रहे हैं। कारण ये है कि शहरी लोग कोरोना की जांच नहीं कर रहे हैं। इसकारण वे संक्रमित है, लेकिन उनकी पहचान नहीं हो रही है। इस बार कोरोना के 95 प्रतिशत मरीज ग्रामीण क्षेत्रों के हैं और बाकी पटना सिटी क्षेत्र के संक्रमित मरीज चिन्हित किए गए हैं। पटना में कोरोना संक्रमित 13 मरीज चिन्हित किए गए हैं, जिसमें सबसे अधिक पांच मरीज पालीगंज के हैं। डॉक्टर के अनुसार इस बार खांसी, पसलियों में दर्द की शिकायत वाले मरीज ज्यादा आशंकित लग रहे हैं। अधिकतर लोग खाँसी और पसलियों में दर्द से परेशान हैं। कुछ जांच करवा रहे हैं,वहीं कुछ जांच नहीं करवा रहे हैं। ऐसा नहीं है कि सभी खांसी और पसलियों में दर्द की शिकायत वाले कोरोना संक्रमित हैं। अभी मौसम बदलने के कारण भी लोगों में खांसी और दर्द की शिकायत है लेकिन उसमें से ही कई लोग हैं जो कोरोना से संक्रमित हैं। बिहार में कोरोना के कारण मौत का सिलसिला भी अब शुरू हो गया है। रोहतास जिले के करगहर प्रखंड के तोड़नी गांव में एक चार साल के बच्चे की कोरोना के कारण मौत हो गई।

जीएनएलयू कैंपस में छेड़छाड़, बलात्कार, हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी एक राष्ट्रीय कानून विश्वविद्यालय कैसे है?

अहमदाबाद । गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (जीएनएलयू) के कैंपस में छेड़छाड़, बलात्कार, होमोफोबिया और भेदभाव की घटनाएं एक तथ्य-खोज समिति द्वारा रिपोर्ट की गई हैं, जिसने गुजरात एचसी को अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी। रिपोर्ट को 'वास्तव में खौफनाक' बताकर मुख्य न्यायाधीश सुनीता अग्रवाल और न्यायमूर्ति अनिरुद्ध माई की पीठ ने घटनाओं के लिए जीएनएलयू को दोषी ठहराकर कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन छात्रों की आवाज दबाने में शामिल था। दरअसल हाईकोर्ट ने सोशल मीडिया पोस्ट के बाद मीडिया रिपोर्टों पर स्वतः संज्ञान लिया था। जहां जीएनएलयू में एक लड़की के साथ बलात्कार किया गया था और एक समलैंगिक छात्र का यौन उत्पीड़न किया गया था। इसके बाद एचसी के पूर्व न्यायाधीश हर्षा देवानी की अध्यक्षता में समिति का गठन हुआ था। इसके पहले, विश्वविद्यालय के आईसीसी और रजिस्ट्रार ने आरोपों को खारिज कर दिया था। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ने टिप्पणी की, यह विश्वविद्यालय एक राष्ट्रीय कानून विश्वविद्यालय कैसे है? और रजिस्ट्रार एक हलफनामा दायर कर रहा है जिसमें कहा गया है कि 'कुछ नहीं हुआ, आगे की कार्यवाही बंद करें। पीठ ने कहा कि रिपोर्ट से पता चलता है कि यौन उत्पीड़न या बलात्कार की केवल दो घटनाएं नहीं थीं, जैसा कि सोशल मीडिया पोस्ट में बताया गया है। लेकिन छेड़छाड़, बलात्कार, भेदभाव, समलैंगिकता, पक्षपात, आवाज का दमन, आईसीसी के अस्तित्व की कमी, आईसीसी के बारे में छात्रों को जानकारी की कमी की घटनाएं हैं। रिपोर्ट के आलोक में, एचसी ने सक्षम प्राधिकारी द्वारा जीएनएलयू के मामलों की उच्च-स्तरीय जांच कराने का निर्णय लिया, जो दोषी प्रशासकों और फैकल्टी के खिलाफ भी कार्रवाई कर सकता है, यह देखते हुए कि रजिस्ट्रार, निदेशक के साथ-साथ फैकल्टी के पुरुष सदस्यों के खिलाफ भी आरोप हैं। रिपोर्ट से साफ होता हैं कि कैसे फैकल्टी सदस्यों और जीएनएलयू प्रशासन ने छात्रों की शिकायतों पर जांच में बाधा डाली। न्यायाधीशों ने सोशल मीडिया पर व्यक्त छात्रों की शिकायतों को अपराध मानने के लिए जीएनएलयू की आलोचना की, 'मानो इससे विश्वविद्यालय की छवि खराब होगी। हाईकोर्ट ने कहा 'उन्होंने एक प्रतिकूल दृष्टिकोण अपनाया।

झारखंड सरकार पर स्कूलों के इस्लामीकरण का आरोप, भाजपा हमलावार

हजारीबाग ।भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल जैसे हिंदूवादी संगठन फिर झारखंड सरकार पर स्कूलों के इस्लामीकरण की छूट देने पर हमलावार हैं। पिछले कई दिनों से हिंदूवादी संगठन आक्रोशित हैं। दरअसल झारखंड के हजारीबाग से एक सरकारी स्कूल पर मस्जिद जैसी मीनार बनाने की बात सामने आई। लोकल अखबारों में खबरें छपीं तब मामला तूल पकड़ते हुए प्रदेश स्तर पर छा गया। पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने झारखंड सरकार को घेरकर तुष्टिकरण का परिणाम बताया है। फिलहाल प्रशासन पूरे मामले की जांच में लगा हुआ है।

पूर्व कुलपति के पद्म भूषण पदक चोरी के मामले में पांच गिरफ्तार

नई दिल्ली ।पंजाब विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति जी.सी. चटर्जी के पद्म भूषण चोरी मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। दिल्ली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पद्म भूषण पदक की चोरी के मामले में एक महिला समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों की पहचान श्रवण कुमार (33), हरि सिंह (45), रिंकी देवी (40), वेद प्रकाश (39) और प्रशांत विश्वास (49) के रूप में हुई है जो यहां मदनपुर खादर के निवासी हैं। पुलिस के मुताबिक, बिस्वास एक जौहरी है जिसने कथित तौर पर पदक खरीदा था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हरि सिंह, रिंकी देवी और वेद प्रकाश मंगलवार को पदक को बेचने के लिए एक जौहरी दलीप के पास गए। दलीप ने पदक को नहीं खरीदा और पुलिस को सूचना दी। इस दौरान आरोपी वहां से चले गए। उन्होंने बताया कि इसके बाद पुलिस हरकत में आ गई और आरोपी व्यक्तियों को गिरफ्तार करने के लिए सरिता विहार के पुलिस उपायुक्त की देखरेख में कालिंदी कुंज के थाना प्रभारी और अन्य कर्मियों का एक दल बनाया गया। इस मामले में इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई। सीसीटीवी फुटेज के बाद आरोपियों की पहचान हरि सिंह, रिंकी देवी और प्रकाश बिस्वास के रूप में हुई है। पुलिस ने दी जानकारी के अनुसार, पूछताछ में सामने आया कि पदक श्रवण कुमार ने चुराया था जो साकेत का रहनेवाला है और जी.सी. चटर्जी के पोते समरेश चटर्जी का चिकित्सा सहायक भी था।

अविवाहित महिलाओं के लिए उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने लिया बड़ा फैसला

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने चयन शर्तों में संशोधन को स्वीकृति देकर प्रदेश में अविवाहित महिलाओं के लिए भी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका बनने का रास्ता साफ कर दिया है। डिप्टी सीएम श्रीमती दिया कुमारी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन अनुसार महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य में पहली बार ऐतिहासिक निर्णय हुआ हैं, जिसमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका के पदों के आवेदन करने के लिए सभी महिलाएं पात्र होंगी। इसके लिए चयन शर्तों में संशोधन किया गया है। महिला एवं बाल विकास शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने बताया कि उप मुख्यमंत्री के द्वारा आंगनबाड़ी मानदेय कर्मियों की चयन शर्तों में संशोधन की स्वीकृति देकर अविवाहित महिलाओं को भी इस क्षेत्र में अवसर देने की पहल की गई है। श्री कुणाल ने बताया कि उपमुख्यमंत्री ने राज्य में जो साथिन दो वर्ष की कार्य निरंतरता का अनुभव रखती हैं उन्हें आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के लिए आवेदन करने पर अनुभव में वरीयता दी जाने को स्वीकृति दी है। इसके लिए उन्हें बोनस में चार अंक दिए जाएंगे जो उनका चयनित होना और आसान करेगा।

एक सर्वे में पीएम मोदी को बताया सबसे ताकतवर भारतीय नेता

-फिर मिली अमित शाह, मोहन भागवत को जगह, राहुल गांधी 16वें स्थान पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक सर्वे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर से देश के सबसे ताकतवर भारतीय नेता बनकर उभरे हैं। हालांकि इसमें यूपी के सीएमस योगी, अमित शाह व मोहन भागवत का भी नाम है, जबकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को 16वें नंबर पर रखा गया है। जानकारी के अनुसार सबसे ताकतवर भारतीय 2024 की लिस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बाद दूसरे नंबर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह हैं। जब?कि टॉप 10 में अधिकतर केंद्र की सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के लोग हैं। एक सर्वे के मुताबिक 2024 की आईई 100 लिस्ट में, अरबपति गौतम अडानी और भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को भी टॉप 10 ताकतवर भारतीयों में शामिल किया गया है। दूसरी ओर, कांग्रेस नेता राहुल गांधी 2024 की इस लिस्ट में सबसे ताकतवर भारतीयों में 16वें स्थान पर हैं। वहीं आम आदमी पार्टी (आप) सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल 18वें स्थान पर हैं।

टॉप 10 नामों में पीएम मोदी इस लिस्ट में पहले नंबर पर हैं। एक्स प्लेटफॉर्म पर पीएम मोदी के 9.56 करोड़

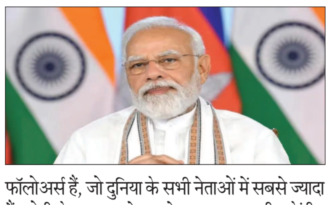

फॉलोअर्स हैं, जो दुनिया के सभी नेताओं में सबसे ज्यादा हैं। मोदी के बाद, दूसरे सबसे ताकतवर भारतीय केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह हैं। उन्हें भाजपा के मुख्य रणनीतिकार के रूप में जाना जाता है, जिनके नेतृत्व में पार्टी ने दिसंबर 2023 में मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनावों में शानदार जीत हासिल की। आरएसएस सरसंघचालक इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं। 22 जनवरी के राम मंदिर प्रतिष्ठा समारोह के दौरान भागवत पीएम मोदी के साथ नजर आए थे।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ चौथे सबसे ताकतवर भारतीय हैं। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के केंद्र के फैसले के पक्ष में फैसला सुनाया था। अब इस चुनावी वर्ष में, हर फैसले पर बारीकी से नजर रखी जाएगी कि वह मामलों को कैसे संभालते हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपनी मजबूत कूटनीतिक कला से देश के नागरिकों को खूब प्रभावित किया है। यूपी के सीएम योगी भाजपा के सबसे प्रमुख नेताओं में से एक हैं। केंद्रीय रक्षा मंत्री कैबिनेट में पीएम मोदी के सबसे वरिष्ठ सहयोगी रहे हैं। राजनाथ सिंह को अपनी संकटमोचक छवि के लिए सभी दलों के नेताओं में खासा सम्मान हासिल है।

इसी तरह आठवें नंबर पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण है जो भारत की सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाली महिला वित्त मंत्री हैं। उनके नेतृत्व में, भारत की अर्थव्यवस्था ने लगातार तीन वर्षों तक 7प्र?तिशत की वृद्धि दर्ज की। फिर जेपी नड्डा हैं जो भाजपा संगठन का नेतृत्व करने वाले प्रमुख व्यक्ति हैं। दसवें नंबर पर 101 बिलियन डॉलर की कुल संपत्ति के साथ गौतम अडानी शीर्ष 10 शक्तिशाली भारतीयों में एकमात्र बिजनेस टाइकून है।

पीएम मोदी की स्पष्ट दृष्टि ने हमेशा मदद की है : एस. जयशंकर

बेंगलुरु । विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की स्पष्ट दृष्टि ने हमेशा मदद की है। उन्होंने बुधवार को कहा कि यूक्रेन के साथ संघर्ष के दौरान मॉस्को पर लगे प्रतिबंधों के बीच रूसी तेल खरीदने पर हमने कड़ा रुख अपनाया है, क्योंकि वह मजबूत प्रधानमंत्री के साथ मजबूत सरकार के मंत्री हैं। विदेश मंत्री ने हुबली के बीवीबी कॉलेज में संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद

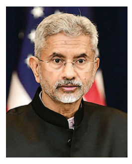

जोशी द्वारा शुरू किए गए विकास कार्यों पर एक पुस्तिका जारी करते हुए यह बात कही। यह स्वीकार करते हुए कि भारत यूरोपीय देशों के बड़े दबाव में था, जिन्होंने रूस के साथ उसके तेल व्यापार को अस्वीकार कर दिया था, उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्पष्ट दृष्टि थी, जिसने उस समय मदद की। मंत्री जयशंकर ने कहा कि हमारे पास एक ऐसा प्रधानमंत्री था जो बहुत स्पष्ट था, कि भारतीय उपभोक्ता का हित पहले आएगा। लोग कहते हैं कि आपने बहुत कड़ा रुख अपनाया। मैंने बहुत कड़ा रुख अपनाया, क्योंकि मैं एक मजबूत प्रधानमंत्री की सरकार का मंत्री हूं। पिछले दिनों, विदेश मंत्री जयशंकर ने चुटकी लेते हुए कहा था कि भारत की तेल खरीद यूरोप द्वारा एक दोपहर में की जाने वाली खरीद से कम है। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा था कि नई दिल्ली द्वारा रूसी तेल खरीदना दूसरों के लिए चिंता का विषय नहीं होना चाहिए। उन्होंने इस महीने की शुरुआत में रूस के साथ अपने मैत्रीपूर्ण संबंधों की पुष्टि करते हुए कहा था कि मास्को ने कभी भी नई दिल्ली के हितों को नुकसान नहीं पहुंचाया है। हालांकि फरवरी 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध छिड़ने के बाद से सदाबहार दोस्तों के बीच द्विपक्षीय संबंधों की तेजी से जांच परख हो रही है। कालेज में भीड़ की तालियों और जयकारों के बीच, विदेश मंत्री जयशंकर ने पीएम मोदी की प्रशंसा की और कहा कि विदेश मंत्री बनना अच्छा है, लेकिन मुझे पीएम मोदी का विदेश मंत्री बनना और भी अच्छा है।

ममता बनर्जी 73 मुस्लिम जातियों को देना चाहती हैं ओबीसी का दर्जा

-राष्ट्रपति से शिकायत करेगा पिछड़ा वर्ग आयोग, राज्य की सिफारिश पर आपत्ति

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार द्वारा राज्य की 73 मुस्लिम जातियों को ओबीसी में शामिल करने का मामला राष्ट्रपति के पास पहुंचने वाला है। दरअसल पिछड़ा वर्ग आयोग इसे लेकर शिकायत करने जा रहा है। इससे ममता सरकार की नई मुसीबत खड़ी हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार कई दर्जन जातियों को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) में शामिल करने की बंगाल सरकार की सिफारिश के खिलाफ राष्ट्रपति से शिकायत करने की तैयारी हो रही है। दरअसल राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एनसीबीसी) ने ओबीसी की केंद्रीय सूची में 83 जातियों को शामिल करने की राज्य की सिफारिश पर गंभीर आपत्ति जताई है। आयोग ने कुछ समुदायों को राज्य सूची में शामिल करने पर भी आपत्ति जताई है और इस संबंध में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से शिकायत करने का फैसला किया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ममता सरकार ने जिन 83 जातियों को केंद्रीय ओबीसी लिस्ट में शामिल करने की सिफारिश की है

उनमें से 73 मुस्लिम समुदाय से हैं।

इधर एनसीबीसी ने इसका कड़ा विरोध किया है। पिछड़ा वर्ग आयोग का कहना है कि राज्य सरकार ने इन जातियों के सामाजिक और शैक्षिक पिछड़ेपन के ताजा आंकड़े पेश नहीं किए हैं। एनसीबीसी के अध्यक्ष हंसराज गंगाराम अहीर ने कहा कि यह मामला छह महीने से अधिक समय से हमारे संज्ञान में है। हमने मुख्य सचिव को चार बार तलब किया है। अधिकारी न तो पेश हुए हैं और न ही सरकार ने अपनी सिफारिश को सपोर्ट करने वाला कोई डेटा दिया है। अब हम इन प्रस्तावों को अस्वीकार करने के लिए मजबूर हैं। गौरतलब है कि कि वर्तमान में, केंद्रीय ओबीसी सूची में पश्चिम बंगाल की 98 जातियां शामिल हैं।

राज्य ने 87 और जातियों को शामिल करने की सिफारिश की है, जिसमें 83 जातियों को नए सिरे से शामिल करने और 4 जातियों के नाम में सुधार की सिफारिश की गई है। इस पर अहीर ने कहा कि नामकरण में सुधार की बात मान ली जाएगी। लेकिन 83 जातियों को ओबीसी में शामिल करना स्वीकार्य नहीं है क्योंकि राज्य सरकार ने इससे जुड़ा डेटा उपलब्ध नहीं कराया है। सामाजिक और शैक्षणिक पिछड़ेपन पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले में उचित मानदंड निर्धारित किए गए हैं, जिन्हें सुनिश्चित करने की जरूरत है। पश्चिम बंगाल की आबादी में ओबीसी की हिस्सेदारी 16 प्रतिशत है। एनसीबीसी के आंकड़ों के अनुसार, राज्य की ओबीसी सूची में 179 जातियां शामिल हैं, जिनमें 61 हिंदू ओबीसी और 118 मुस्लिम ओबीसी सूची में शामिल हैं।

राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर में आई खराबी, उतरकर 20 मिनट बाद दूसरे विमान से हुई रवाना

रांची (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हेलीकॉप्टर में आई खराबी के कारण उन्हें उतरकर बीस मिनट दूसरे हेलीकॉप्टर का इंतजार करना पडा। हालांकि बाद में वैकल्पिक हेलीकॉप्टर ने उड़ान भरकर उन्हें गंतव्य तक पहुंचाया। जानकारी के अनुसार झारखंड की राजधानी रांची में राष्ट्रपति का दौरा था। अचानक रांची एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हेलीकॉप्टर में खराबी आ गई। यह पूरा मामला तब हुआ जब रांची के सेंट्रल यूनिवर्सिटी आफ झारखंड में दीक्षांत समारोह में भाग लेने के बाद राष्ट्रपति को उड़ीसा के सीमावर्ती स्थान सुकरूली जाना था। राष्ट्रपति दोपहर 1 बजे के करीब सीयूजे से रांची एयरपोर्ट के लिए रवाना हो चुकी थी। रांची एयरपोर्ट पहुंचने के बाद राष्ट्रपति अपने विशेष हेलीकाप्टर पर बैठ चुकी थीं लेकिन इसी दौरान पायलट को हेलीकॉप्टर में आयी तकनीकी खराबी की जानकारी मिली, जिसके बाद पायलट ने इसकी सूचना एटीएस को दी। इसके बाद राष्ट्रपति हेलीकॉप्टर से उतरकर वीआईपी लाउंज में चली गईं, जहां उन्होंने करीब 20 मिनट इंतजार किया। तब तक वहां दूसरा हेलीकॉप्टर रवानगी के लिए तैयार हो गया।

तब कहीं राष्ट्रपति ने वैकल्पिक हेलीकॉप्टर से सफर तय किया। इसके बाद दोपहर करीब 2.30 बजे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू वैकल्पिक हेलीकॉप्टर से ओडिशा के सीमावर्ती सुकरूली के लिए रवाना हो गयीं। आपको बता दें कि दिल्ली से तीन दिन पहले ही राष्ट्रपति के लिए विशेष हेलीकाप्टर रांची एयरपोर्ट पहुंच चुका था और इसी हेलीकॉप्टर से राष्ट्रपति को रांची में दीक्षांत समारोह में शामिल होने के बाद उड़ीसा के सीमावर्ती सुकरूली रवाना होना था। लेकिन इस हेलीकॉप्टर में ऐन मौके पर आई खराबी ने रांची एयरपोर्ट पर चालक दल के साथ-साथ राष्ट्रपति की सुरक्षा में लगे अधिकारियों के होश उड़ा दिए। दरअसल रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट के वीआईपी स्क्वाड्रन में तीन हेलीकॉप्टर हमेशा तैयार रहते हैं। ऐसे में राष्ट्रपति के मुख्य हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आने की जानकारी मिलते ही दूसरे हेलीकॉप्टर को तैयार करके राष्ट्रपति को अपने गंतव्य की ओर रवाना किया।

देशभर के कर्मचारियों ने दी चेतावनी : पुरानी पेंशन नहीं दी तो रेल और अस्पताल हो सकते हैं बंद ?

नई दिल्ली (एजेंसी)। किसान आंदोलन अभी खत्म नहीं हुआ और दूसरे बड़े आंदोलन की आहट सुनाई देने लगी है। ये वो आंदोलन है जिसमें ट्रेन, अस्पताल और तमाम जरुरी सुविधाएं भी बंद हो सकती है। देशभर के कर्मचारियों ने सरकार को चेतावनी देते हुए स्पष्ट कहा है कि पुरानी पेंशन की मांग पूरी नहीं की गई तो 1 मई से हड़ताल पर चले जाएंगे। गंभीर बात ये है कि ये चेतावनी किसी एक संगठन ने नहीं दी है। बल्कि लगभग सभी संगठन ओपीएस की मांग कर रहे हैं। यही कारण है कि केंद्र सरकार के 28 लाख और विभिन्न राज्यों के 3 करोड़ से अधिक कर्मचारियों ने एक साथ हड़ताल पर जाने को कहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, अनिश्चितकालीन हड़ताल के आह्वान से पहले रेलवे, विभिन्न विभागों और केंद्र के अधीन सार्वजनिक उपक्रमों के विभाग में हड़ताल के लिए मतदान हुआ और यूनियनों का दावा है कि उन्हें कर्मचारियों का करीब 100 फीसदी समर्थन मिला है। वहीं अखिल भारतीय रक्षा कर्मचारी महासंघ के महासचिव सी. श्रीकुमार ने कहा, 'सरकारी कर्मचारियों ने सरकार के कामकाज में बाधा डाले बिना विरोध कार्यक्रम आयोजित करके 20 सालों तक धैर्यपूर्वक इंतजार किया है। सभी सरकारें हमारी मांग को नजरअंदाज कर रही हैं और निराशाजनक राष्ट्रीय पेंशन योजना को जारी रख रही हैं। हाल ही में न्यायिक वेतन आयोग ने न्यायाधीशों के लिए परिभाषित और गारंटीशुदा पेंशन की सिफारिश की है। फिर सरकारी कर्मचारियों के साथ भेदभाव क्यों किया जाता है?' उन्होंने आगे कहा कि कर्मचारी हड़ताल करने को मजबूर हैं क्योंकि सरकार उनकी वास्तविक शिकायतों के प्रति असंवेदनशील है और सरकार समर्थक भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) को छोड़कर सभी यूनियनें हड़ताल में भाग लेंगी।

ओवैसी बढ़ाएंगे यूपी में अखिलेश की मुश्किलें

नई दिल्ली (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। पहले जयंत चौधरी ने उनका साथ छोड़ा, फिर स्वामी प्रसाद मौर्य - सलीम शेरवानी और मनोज पांडेय जैसे नेता बागी हुए, इसके बाद राज्यसभा चुनाव में आधा दर्जन विधायकों ने क्रॉस वोटिंग कर दी। अखिलेश यादव इन झटकों से उबर भी नहीं पाए कि अब असदउद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने उन्हें मुस्लिम वोटों में सेंधमारी करने की बडी धमकी दी है। ओवैसी की पार्टी ने लोकसभा चुनाव में अखिलेश यादव से समझौते की इच्छा जताते हुए पांच सीटों की डिमांड कर दी है। अखिलेश यादव को यह धमकी भी दी गई है कि अगर उन्होंने एमआईएम से समझौता कर उसे पांच सीटें नहीं दी तो असदउद्दीन ओवैसी यूपी में न सिर्फ खुद किसी सीट से चुनाव लडेंगे, बल्कि मुस्लिम बाहुल्य पचीस दूसरी सीटों पर अपने उम्मीदवार भी उतारेंगे। ऐसे में मुस्लिम वोटों का बंटवारा होने की पूरी जिम्मेदारी अखिलेश यादव की होगी। दावा यह भी किया जा रहा है कि ओवैसी ने हैदराबाद के साथ ही यूपी से भी चुनाव लड़ने वाली सीट भी तय कर ली है। हालांकि इस सीट का नाम अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है। ओवैसी की पार्टी आल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लेमीन के प्रवक्ता

मोहम्मद फरहान साहेब के मुताबिक अगर अखिलेश यादव सही मायनों में बीजेपी से लड़ना और उसे तीसरी बार सरकार बनाने से रोकना चाहते हैं तो उन्हें यूपी में विपक्षी वोटों का बिखराव रोकना होगा। उनके मुताबिक असदउद्दीन ओवैसी मौजूदा दौर में मुसलमानों के इकलौते नेता हैं। हर लोकसभा सीट पर उनका बड़ा वोट बैंक है। प्रवक्ता मोहम्मद फरहान का कहना है कि उनके नेता ओवैसी ही सही मायनों में बीजेपी के खिलाफ लड़ रहे हैं। इसीलिए खुद ओवैसी यह चाहते हैं कि अखिलेश यादव यूपी में उनकी पार्टी को भी अपने इंडिया गठबंधन में शामिल करें और चुनाव लड़ने के लिए पांच सीटें भी छोड़ें। प्रवक्ता फरहान का कहना है कि असदउद्दीन ओवैसी इस चुनाव में यूपी में जय मीम - जय भीम का नारा बुलंद करना चाहते हैं। अगर अखिलेश यादव समझौते में पांच सीटें छोड़ देते हैं तो ओवैसी यूपी से चुनाव नहीं लड़ेंगे और हैदराबाद की अपनी पुरानी सीट से ही किस्मत आजमाएंगे। समझौते की सूरत में नगीना सीट पर पार्टी के दलित नेता पवन अंबेडकर को उम्मीदवार बनाया जाएगा, जबकि आजमगढ़ सीट से पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली चुनाव लडेंगे। बाकी तीन सीटों मुरादाबाद - संभल और आंवला पर उम्मीदवार बाद में तय किए जाएंगे। प्रवक्ता मोहम्मद फरहान के मुताबिक असदउद्दीन ओवैसी के लिए यूपी में ऐसी सीट तय की गई है जहां किसी भी विपक्षी की जमानत नहीं बचेगी। हालांकि उन्होंने सीट के नाम का फैसला नहीं किया। प्रवक्ता फरहान ने साफ़ तौर पर कहा है कि ओवैसी और उनकी पार्टी अखिलेश यादव से भीख में पांच सीटें नहीं मांग रही, बल्कि उसके बदले बाकी पचहत्तर सीटों पर बीजेपी के खिलाफ विपक्षी वोटों का बिखराव रोका जाएगा। उन्होंने बताया कि समझौते को लेकर सपा नेताओं से बातचीत भी चल रही है। उम्मीद है कि बात बन जाएगी, लेकिन अगर समझौता नहीं होता तो उसकी जिम्मेदारी अकेले अखिलेश यादव की होगी और उसका खामियाजा भी उन्हे ही भुगतना होगा। उनके मुताबिक यूपी की तमाम सीटों के लोग चाहते हैं कि ओवैसी उनके यहां से चुनाव लड़ें, लेकिन बहुत सोच समझकर एक सीट अंतिम तौर पर तय कर ली गई हैं। इसका नाम बाद में घोषित किया जाएगा।

अनंत अंबानी के प्री वेडिंग फंक्शन में दुनिया की मशहूर हस्तियों का आगमन शुरू

पटना (एजेंसी)। जामनगर भारत के सबसे अमीर उद्योगपति मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी की राधिका मर्चेंट से आगामी जुलाई महीने में होनेवाली है। उससे पहले अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट का प्री-वेडिंग फंक्शन का 1 से 3 मार्च तक जामनगर के रिलायंस ग्रीन्स में आयोजन किया गया है। प्री वेडिंग में देश-दुनिया की जानी मानी हस्तियों को आमंत्रित किया है और उनका जामनगर में आगमन भी शुरू हो गया है। मेहमानों के स्वागत के लिए जामनगर में सभी इंतजाम किए जा रहे हैं। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की प्री-वेडिंग सेरेमनी 1 मार्च से गुजरात के जामनगर में शुरू होने जा रही है। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के प्री-वेडिंग फंक्शन के लिए बॉलीवुड सितारे भी जामनगर पहुंचने लगे हैं। इसी बीच आज बॉलीवुड इंडस्ट्री के सुपरस्टार सलमान खान भी जामनगर पहुंचे। मुकेश अंबानी और नीता अंबानी के बेटे अनंत अंबानी के प्री-वेडिंग फंक्शन में बॉलीवुड और हॉलीवुड की कई हस्तियों के शामिल होने को देखते हुए सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है। एशिया के नंबर वन अमीर मुकेश अंबानी की सादगी जगजाहिर है। त्योहार के दौरान अंबानी परिवार आम लोगों की तरह व्यवहार करता है। एक बार फिर अंबानी परिवार की ऐसी ही सादगी देखने को मिली। मौका था छोटे बेटे अनंत अंबानी की शादी और वेन्यू था जामनगर का जोगवड गांव। जोगवड गांव के लोगों को अंबानी परिवार ने बड़े प्यार से भोजन कराया। यहां तक कि खुद मुकेश अंबानी, अनंत अंबानी और उनकी होने वाली दुल्हन राधिका मर्चेंट लोगों को भोजन परोसते दिखाई दिए। अंबानी परिवार ने जामनगर में रिलायंस टाउनशिप के पास जोगावड गांव में एक खाद्य सेवा शुरू की, जहां मुकेश अंबानी और घर के अन्य सदस्य ग्रामीणों को भोजन परोसते नजर आए। लोगों को खाना परोसते दूल्हा-दुल्हन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। भोजन सेवा में दूल्हा-दुल्हन के अलावा राधिका मर्चेंट की दादी और माता-पिता भी शामिल हुए। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट का प्री-वेडिंग फेस्ट 1 मार्च से शुरू होगा और इसमें मनोरंजन, राजनीति और बिजनेस जगत की बड़ी हस्तियां शामिल होंगी। अभिषेक बच्चन, मानुषी छिल्लर और जान्हवी कपूर जैसे कलाकार जामनगर पहुंच गए हैं। पॉप आइकन रिहाना, अभिनेता-गायक दिलजीत दोसांझ और अरिजीत सिंह सहित अन्य लोग प्रदर्शन करने वाले हैं। बता दें कि ये एक प्री-वेडिंग फंक्शन है और अनंत और राधिका 12 जुलाई को मुंबई में शादी करेंगे। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के प्री वेडिंग फंक्शन में क्रिकेट जगत सचिन तेंदुलकर, एमएस धोनी, रोहित शर्मा, केएल राहुल, हार्दिक और कृणाल

पंड्या, इशान किशन को न्यौता दिया गया है। जबकि बोलीवुड से अमिताभ बच्चन, रजनीकांत, शाहरुखखान, आमिरखान, रणवीरसिंह, रणबीर कबूर, विक्की कौशल, माधुरी दीक्षि, आदित्य चोड़ा, करण जोहर, बोनीकपूर, अनिल कपूर, वरुण धवन, सिद्धार्थ मल्होत्रा, श्रद्धा कपूर और करिश्मा कपूर इत्यादि को सपरिवार आमंत्रित किया गया है।

पोप फ्रांसिस को स्वास्थ्य परीक्षण के लिए अस्पताल लाया गया

वेटिकन सिटी । पोप फ्रांसिस अपने स्वास्थ्य में सुधार के बाद साप्ताहिक सार्वजनिक प्रार्थना में पहुंचे जिसके बाद उन्हें स्वास्थ्य परीक्षण के लिए रोम के अस्पताल लाया गया। वेटिकन ने इसकी जानकारी दी। पोप एक छोटी सफेद कार में तिबर द्वीप पर जेमेली अस्पताल पहुंचे जहां से वह फिर वापस चले गए। पिछले सप्ताह फ्लू के लक्षणों के बाद पोप के सभी कार्यक्रम रद्द किए गए थे। पोप को वेटिकन में प्रार्थना सभागार में व्हीलचेयर पर लाया गया। पोप ने फ्लू के कारण शनिवार और सोमवार के सभी पूर्व निर्धारित कार्यक्रम रद्द कर दिए थे, लेकिन रविवार को वह हमेशा की तरह सेंट पीटर स्क्वायर की ओर वाली खिड़की पर दिखाई दिए।

अमेरिका को भरोसा, भारत की मेजबानी में क्वाड बेहतर काम करेगा

वाशिंगटन। व्हाइट हाइट की प्रेस सचिव कैरिन जीन पियरे ने कहा कि क्वाड ने पिछले तीन वर्षों में जो सफलता हासिल की है, इससे राष्ट्रपति जो बाइडन काफी खुश हैं। हमें उम्मीद है कि भारत की मेजबानी में भी यह सफलता कायम रहेगी। भारत 2024 में क्वाड शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा, इस लेकर अमेरिका उत्साहित है। व्हाइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस पर बात की। व्हाइट हाइट की प्रेस सचिव पियरे ने कहा कि क्वाड ने पिछले तीन वर्षों में जो सफलता हासिल की है, इससे राष्ट्रपति बाइडन काफी खुश हैं। हमें उम्मीद है कि भारत की अध्यक्षता में भी यह गति बरकरार रहेगी। क्वाड की सफलता सिर्फ अमेरिका के लिए नहीं बल्कि भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया के बारे में है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र स्वतंत्र हों, खुले हों और समृद्ध हों यही क्वाड का साझा दृष्टिकोण है। पियरे ने कहा कि क्वाड इंडो पैसिफिक क्षेत्र को लाभ पहुंचा रहा है। इसलिए 2024 में भी हम इस प्रगति को जारी रखना चाहते हैं।

स्वीडन की नाटो सदस्यता के ख़िलाफ़ जवाबी उपाय करेगा रूस

मॉस्को। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा कि रूस नाटो में शामिल होने के बाद स्वीडन की गतिविधियों पर बारीकी से नजर रखेगा और उसके अनुसार जरूरी कार्रवाई करेगा। जखारोवा बुधवार को कहा, 'हम इस बात की निगरानी करेंगे कि स्वीडन नाटो में शामिल होकर क्या करेगा, इसके आधार पर हम आगे की तैयारी करेंगे।' समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, ज़खारोवा ने कहा कि रूस की राष्ट्रीय सुरक्षा के समक्ष उत्पन्न हर खतरे को रोकने के लिए मास्को आवश्यक उपाय करेगा। उन्होंने कहा कि स्वीडन की अब तक की गुटनिरपेक्षता की नीति उत्तरी यूरोप में स्थिरता बनाए रखने में सहायक हुआ करती थी। ज़खारोवा कहा कि नाटो की सदस्यता लेने से स्वीडन की संप्रभुता कमजोर होगी। गौरतलब है कि हंगरी की संसद ने सोमवार को नाटो में शामिल होने के लिए स्वीडन के अनुरोध को मंजूरी दे दी थी, इससे स्वीडन के नाटो में शामिल होने का रास्ता साफ हो गया।

गाजा में फिलीस्तीनियों की मौत का आंकड़ा 30 हजार के करीब : मंत्रालय

गाजा। गाजा पट्टी में फिलीस्तीनियों की मौत का आंकड़ा बढ़कर 29,954 हो गया है। इजरायली सेना ने पिछले 24 घंटों में 76 लोगों की जान ले ली। यह जानकारी हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी। मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि इस बीच, 110 लोग घायल हो गए। पिछले साल अक्टूबर के प्रारंभ में शुरू इजरायल-हमास युद्ध में अब तक घायलों की कुल संख्या 70,325 हो गई है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार भारी बमबारी और नागरिक सुरक्षा व एम्बुलेंस कर्मचारियों की कमी के बीच कुछ मृतक मलबे में दबे हुए हैं। बुधवार को, इज़रायली मीडिया आउटलेट्स ने बताया कि गाजा पट्टी में लड़ाई के दौरान आईडीएफ के दो अधिकारी मारे गए और सात सैनिक घायल हो गए। इससे मरने वाले सैनिकों की संख्या 582 हो गई। आईडीएफ सूत्रों का हवाला देते हुए, रिपोर्ट में कहा गया है कि इजरायल का जमीनी अभियान पूरे गाजा पट्टी में जारी रहा। रिपोर्ट में कहा गया है कि इजरायली सेना ने सुरंगों और हमास के अन्य बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया। इज़रायली रक्षा बलों (आईडीएफ) के प्रवक्ता डैनियल हगारी ने कहा कि गाजा में युद्ध का लक्ष्य, यह सुनिश्चित करना है कि अब 7 अक्टूबर 2023 जैसे हमला फिर कभी न हो। गौरतलब है कि 7 अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इज़रायल में हमास के हमले में लगभग 1,200 इजरायली मारे गए थे और 200 से अधिक को बंधक बना लिया गया था।

दक्षिण अफ्रीका के द्वीप में भूकंप के झटके

बीजिंग। दक्षिण अफ्रीका के प्रिंस एडवर्ड द्वीप क्षेत्र में मध्यम स्तरीय भूकंप के झटके महसूस किये गये। जीएफजेड जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज के अनुसार स्थानीय समयानुसार 01ः11 बजे आये भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.1 मापी गयी। भूकंप का केंद्र 41.15 डिग्री दक्षिण अक्षांश और 43.16 डिग्री पूर्वी देशांतर के साथ पृथ्वी की सतह से 10.0 किमी की गहराई पर रहा।

नेपाल में मादक पदार्थों की तस्करी में दो भारतीय गिरफ्तार

काठमांडू । नेपाल में मादक पदार्थों की तस्करी के दो अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किए गए चार लोगों में दो लोग भारतीय नागरिक हैं। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि भारतीय नागरिक छोटू पासवान (20) को लालबंदी नगर पालिका क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया और उसकी मोटरसाइकिल से सात किलोग्राम हशीश जब्त किया गया। एक अलग मामले में महोत्तरी जिले के पिपरा ग्रामीण नगर पालिका क्षेत्र से एक भारतीय नागरिक सहित तीन लोगों को विभिन्न प्रतिबंधित वस्तुओं के साथ गिरफ्तार किया गया। नेपाल पुलिस ने बिहार के रहने वाले 20 वर्षीय सुबोध राउत और दो नेपाली नागरिकों मोहम्मद हुसैन तथा गुडू सफी से फेनर्गन 496 एम्प्यूल्स, टायलगेसिस 499 एम्प्यूल्स और डायजेपाम 492 एम्प्यूल्स जब्त किए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

गुब्बारे में अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी कर रही ये कंपनी, –गुब्बारे में 5 स्टार होटल जैसा मिलेगा आनंद

वाशिंगटन । फ्लोरिडा की कंपनी स्पेस पर्सपेक्टिव लोगों को गुब्बारे में अंतरिक्ष भेजने की तैयारी कर रही है। कंपनी द्वारा विशेष तौर तैयार किये गए गुब्बारे में 5 स्टार होटल जैसा मजा भी मिलेगा। एक साथ आठ मेहमानों को खड़े होकर घूमने, कॉकटेल पीने, रोमांटिक डिनर करने, पार्टियां आयोजित करने और यहां तक कि शादी करने की इजाजत भी होगी। धरती को देखते हुए आप ये सब कर सकेंगे। लेकिन यह इतना सस्ता नहीं होने वाला। एक रिपोर्ट के मुताबिक, फ्लोरिडा की कंपनी स्पेस पर्सपेक्टिव दुनिया का पहला अंतरिक्ष होटल बना रही है। अगले साल से इसकी उड़ान शुरू करने की योजना है। देखने में यह एक गुब?बारे जैसा नजर आएगा और धरती से 29 किलोमीटर ऊपर धीरे-धीरे तैरता हुआ दिखेगा। इसमें आलीशान सीटें लगाई गई हैं, जो 360 डिग्री घूम सकती हैं। इसकी खिड़कियों से आप अंतरिक्ष से धरती का खूबसूरत नजारा देख सकेंगे। एक स्पा बाथरूम होगा तो एक शानदार बार भी, जहां आप कॉकटेल का मजा ले सकेंगे। कंपनी ने इसे नेप्च्यून नाम दिया है। सामान्य अंतरिक्ष यान 17,000 मील प्रति घंटे की रफ्तार से आकाश में उड़ाए जाते हैं, लेकिन यह लग?जरी अंतरिक्ष यान केवल 12 मील प्रति घंटे की गति से स्पेस में सफर करेगा। इसमें वाईफाई भी है, ताकि मौज-मस्ती करने वाले लोग अंतरिक्ष से धरती की तस्वीरें खींचकर तुरंत अपने प्रियजनों को भेज सकेंगे। सबसे खास बात, इन्हें महासागरों से लॉन्च किया जाएगा और जब अंतरिक्ष यात्रा समाप?त होगी तो यह समुद्र के पानी में तैरते लॉन्चपैड पर उतरेगा। हालांकि, ये इतना सस्ता नहीं होगा। नेप्च्यून में जाने वाले हर शख्स को तकरीबन 1 करोड़ रुपये चुकाने होंगे। अगले साल की शुरुआत में इसकी पहली उड़ान होगी, और अंतरिक्ष का सफर करने के इच?छुक लोग उससे कुछ महीने पहले से टिकट ले सकेंगे। पहले साल 1,750 लोगों को सफर का मौका मिल सकता है। क्योंकि कंपनी दुनिया के कई महासागरों से इसके लॉन्चिंग की योजना बना रही है। कंपनी के सह-संस्थापक टेबर मैक्कलम ने कहा, यह गेम-चेंजर होगा। स्पेस कैप्सूल ऐसा कुछ है जिसे दुनिया ने पहले कभी नहीं देखा है। यह दुनिया का एकमात्र कार्बन-न्यूट्रल अंतरिक्ष यान होगा।

इजरायल में हमास के हमले में बंधक बनाये गये लोगों के परिजन उन्हें मुक्त कराने की मांग को लेकर एक मार्च निकालते हुए।

इमरान खान ने क्यों लिखा अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष को पत्र

कराची । पाकिस्तान के जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) को पत्र लिखा, जिसमें नकदी संकट से जूझ रहे देश के साथ किसी और बेलआउट वार्ता पर विचार करने से पहले कम से कम 30 प्रतिशत राष्ट्रीय और प्रांतीय असेंबली सीटों का ऑडिट सुनिश्चित करने को कहा। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफद (पीटीआई) पार्टी के संस्थापक खान (71) ने घोषणा की थी कि वह वैश्विक ऋणदाता से किसी भी सहायता देने से बचने के लिए कहेगा, क्योंकि अधिकारियों ने उनकी पार्टी को सत्ता से बाहर रखने के लिए चुनावी नतीजों में धांधली की है। पार्टी के उनके मनोनीत अध्यक्ष

गौहर अली खान ने पार्टी महासचिव उमर अयूब खान के साथ प्रेसवार्ता को संबोधित कर पत्र की पुष्टि की लेकिन उन्होंने इसकी विषयवस्तु साझा करने से इंकार किया। पार्टी प्रवक्ता ने कहा कि पत्र को तब तक मीडिया के साथ साझा नहीं किया जाएगा जब तक कि इस पार्टी द्वारा मान्यता नहीं मिल जाती। हालांकि, पीटीआई ने खान के मार्गदर्शन में पार्टी प्रवक्ता रऊफ हसन द्वारा आईएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा को संबोधित एक पत्र देखा है। पत्र की शुरुआत स्पष्टीकरण से होती है कि पार्टी पाकिस्तान को आईएमएफ की सुविधा के खिलाफ नहीं है।

रूस पर एक्शन, भारत को झटका, अमेरिका के इस कदम से फायदे में रहेंगे ये देश

वाशिंगटन (एजेंसी)। यूक्रेन और रूस में जारी युद्ध के बीच अमेरिका की तरफ से मॉस्को पर नए प्रतिबंधों की घोषणा कर दी गई है। अमेरिका की तरफ से रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों में भुगतान प्रणाली, वित्तीय संस्थान और ऊर्जा उत्पादन शामिल हैं। रूस के खिलाफ अमेरिका के इस एक्शन का भारत पर भी बड़ा असर पड़ना तय है। रूसी कोयले के तीन प्रमुख व्यापारियों ने कहा कि मॉस्को पर नए अमेरिकी प्रतिबंधों से रूस से थर्मल कोयले के भारतीय आयात में कटौती की संभावना पिछले प्रतिबंधों की तुलना में अधिक है। उन्होंने इसके लिए विशेष रूप से शीर्ष निर्यातकों एसयूईके और मेचेल का हवाला दिया। रूस ऐतिहासिक रूप से भारत को ईंधन का एक छोटा निर्यातक था। उसने यूक्रेन पर आक्रमण के बाद मास्को के खिलाफ पश्चिमी प्रतिबंधों के बाद दक्षिण एशियाई देश में शिपमेंट को बढ़ावा देना शुरू कर दिया। नए अमेरिकी प्रतिबंधों में रूस की भुगतान प्रणाली, वित्तीय संस्थान और ऊर्जा उत्पादन भी शामिल हैं।

प्रमुख भारतीय व्यापारी ने पश्चिमी भारतीय राज्य गोवा में कोलट्रांस सम्मेलन के मौके पर रॉयटर्स को बताया कि नए प्रतिबंधों के साथ, मुझे उम्मीद नहीं है कि कोई भी बड़ी भारतीय कंपनी रूसी कार्गो खरीदेगी। दो भारतीय और एक रूसी व्यापारियों ने नाम बताने से इनकार कर दिया क्योंकि वे मीडिया से बात करने के लिए अधिकृत नहीं हैं। दूसरे भारतीय व्यापारी ने कहा कि कोयले की शिपमेंट अभी भी नहीं रुकेगी, लेकिन लोग रूसी कार्गो को छूने में अधिक झिझकेंगे। उन्होंने कहा कि प्रतिबंधों से इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका जैसे अन्य कोयला आपूर्तिकर्ताओं को फायदा हो सकता है।

रॉयटर्स द्वारा समीक्षा किए गए जहाज ट्रैकिंग डेटा से पता चलता है कि भारतीय समूह जेएसडब्ल्यू ग्रुप, वेदांता और कंसोर्टियम आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया पिछले छह महीनों में रूसी थर्मल कोयले के सबसे बड़े आयातकों में से थे। तीनों कंपनियों ने नए प्रतिबंधों से किसी भी संभावित प्रभाव पर टिप्पणी के अनुरोधों का तुरंत जवाब नहीं दिया। रूस के सबसे बड़े कोयला उत्पादक और निर्यातक SUEK ने टिप्पणी मांगने वाले ईमेल का जवाब नहीं दिया। रॉयटर्स तुरंत टिप्पणी के लिए मेचेल तक पहुंचने में सक्षम नहीं था। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि अमेरिका के नए प्रतिबंधों से इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका जैसे अन्य कोयला निर्यातक देशों को फायदा हो सकता है।

नवाज शरीफ सहित पाकिस्तान के नवनिर्वाचित सांसदों ने शपथ ली

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी द्वारा नेशनल असेंबली का सत्र बुलाए जाने के बाद देश के नवनिर्वाचित सांसदों ने बृहस्पतिवार को शपथ ली।

पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी द्वारा समर्थित उम्मीदवारों को आरक्षित सीट आवंटित करने के मुद्दे पर कार्यवाहक सरकार के साथ मतभेद के कारण अल्वी के शुरुआती इनकार के बाद नयी संसद का पहला सत्र आयोजित किया गया। पिछली संसद के निवर्तमान अध्यक्ष राजा परवेज़ अशरफ की अध्यक्षता में 16वीं संसद का पहला सत्र एक घंटे से अधिक की देरी के बाद शुरू हुआ। इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) समर्थित सांसदों द्वारा आठ फरवरी के आम चुनाव में कथित धांधली के खिलाफ नारे लगाए जाने के बीच अशरफ ने नवनिर्वाचित सांसदों को शपथ दिलाई।

शपथ लेने वाले नए सांसदों में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के प्रमुख नवाज शरीफ, पीएमएल-एन अध्यक्ष शहबाज शरीफ, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के सह-अध्यक्ष आसिफ जरदारी और पीपीपी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो-जरदारी शामिल हैं। तीन बार प्रधानमंत्री रहे नवाज शरीफ ने साधारण सांसद के रूप में शपथ ली। चुनाव में अपनी पार्टी के बहुत अच्छा प्रदर्शन न कर पाने के कारण उन्होंने कुछ दिन पहले चौथी बार प्रधानमंत्री बनने का अपना प्रयास छोड़ दिया था। नवनिर्वाचित सांसद नेशनल असेंबली के नए अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव करेंगे। प्रधानमंत्री पद के लिए चुनाव शनिवार को होने की उम्मीद है और पीएमएल-एन तथा पीपीपी के बीच चुनाव बाद समझौते के तहत नवाज शरीफ के छोटे भाई एवं पूर्व प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को सदन का नया नेता चुना जाना तय है। चुनाव में पीटीआई पार्टी द्वारा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों ने नेशनल असेंबली की सर्वाधिक 93 सीट जीती हैं। पीएमएल-एन ने 75 और पीपीपी को 54 सीट पर जीत मिली थी। मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) के खाते में 17 सीट आई थीं।

बांग्लादेश ने पद्मा-मेघना नदी अभयारण्य में दो महीने के लिए मछली पकड़ने पर रोक लगाई

ढाका। बांग्लादेश ने पद्मा-मेघना नदी अभयारण्य में मछली पकड़ने पर दो महीने के लिए रोक लगा दी। यह प्रतिबंध शुक्रवार से प्रभावी होगा। यह अभयारण्य 70 किलोमीटर तक फैला है। सरकार के इस कदम से चांदपुर में 43,000 पंजीकृत मछुआरे प्रभावित होंगे। पद्मा-मेघना अभयारण्य में यह प्रतिबंध इलिश (हिलसा) सहित सभी प्रकार की मछली पकड़ने पर लागू होगा। मेघना नदी में पद्मा नदी चांदपुर जिला में मिलती है। इसके बाद मेघना भोला जिला में बंगाल की खाड़ी में मिल जाती है। बांग्लादेश की सीमाओं के भीतर बहने वाली नदियों में मेघना सबसे चौड़े पाट वाली नदी है। भोला के निकट एक बिंदु पर यह 12 किलोमीटर चौड़ी है। हिलसा मछली असामान्य रूप से नाजुक मांस वाली मछली की कुछ गिनी-चुनी प्रजातियों में से एक है। यह अभयारण्य मतलब उत्तर उप जिला में शतनाल से लेकर हैमचार उप जिला में चारभैरबी तक फैला हुआ है। जिला मत्स्य अधिकारी गोलाम मेहेदी हसन ने कहा कि एक मार्च से 30 अप्रैल तक दो महीने तक मछुआरों को प्रति व्यक्ति 40 किलोग्राम खाद्य सहायता दी जाएगी। टास्क फोर्स में कार्यकारी मजिस्ट्रेट शामिल हैं। प्रतिबंध का उल्लंघन करने वाले मछुआरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। आनंद बाजार जैसे क्षेत्रों के मछुआरों ने प्रतिबंध पर चिंता व्यक्त की है। चांदपुर नदी पुलिस थाना प्रभारी कमरुज्जमां ने कहा कि नदी पुलिस ने प्रतिबंध को लागू करने के लिए सभी तैयारियां कर ली हैं। चांदपुर सदर उप जिला के वरिष्ठ मत्स्य अधिकारी तंजीमुल इस्लाम ने कहा कि अगर कोई मछुआरा कानून की अवहेलना करता है तो सख्त कार्रवाई होगी।

भारत ने पाकिस्तान को लताड़ा कहा- यूएन के मंच का गलत इस्तेमाल न करें

जिनेवा (एजेंसी)। आतंकी फैक्ट्री चलाने वाला पाकिस्तान कई बार अपने मुंह की खा चुका है। इसके बाद भी सुधरने का नाम नहीं लेता है। इस बार यूएन की भरी सभा में भारत ने पाकिस्तान को लताड़ा। भारत का कहना है कि खराब मानवाधिकार रिकॉर्ड्स वाले पाकिस्तान को भारत पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है। साथ ही आरोप लगाए हैं कि पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र मावनाधिकार परिषद के मंच का फिर गलत इस्तेमाल किया है। मानवाधिकार परिषद के 55वें सत्र में भारत की तरफ से प्रथम सचिव अनुपमा सिंह ने साफ कर दिया, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत का अभिन्न अंग हैं। भारत ने कहा कि क्षेत्र में सुशासन, आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए भारत सरकार की तरफ से किए जा रहे प्रयास भारत का आंतरिक मामला है। भारत ने कहा इन मामलों पर बात करने का अधिकार पाकिस्तान को नहीं है। उन्होंने कहा, एक ज्वलंत उदाहरण अगस्त 2023 में पाकिस्तान के जरनवाला शहर में अल्पसंख्यक ईसाई समुदाय के साथ बड़े स्तर पर हुई क्रूरता है। तब 19 चर्चों को तोड़ दिया गया था और 89 ईसाई घरों को जला दिया गया था। तीसरा एक ऐसा देश, जो यूएनएससी में नामित आतंकियों को पनाह देता है, वह भारत पर टिप्पणी कर रहा है जिसकी लोकतांत्रिक साख दुनिया के लिए उदाहरण है। यह हर किसी के लिए विरोधाभासी है। उन्होंने कहा, हम ऐसे देश पर ध्यान नहीं दे सकते, जो आतंकवाद से हुए खून खराबे के लाल रंग में डूबा हुआ है, जो कर्ज से दबी बैलेंस शीट के लाल रंग से रंगा हुआ है और शर्म के उस लाल रंग से रंगा है, जो उसके लोग अपनी ही सरकार के लिए महसूस करते हैं जो उनके हितों को पूरा नहीं कर सकी। खास बात है कि कुछ समय पहले भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि पाकिस्तान का भविष्य उसके ही फैसलों पर टिका हुआ है।

45 साल बाद पाकिस्तान में पूर्व पीएम भुट्टो को दी गई फांसी पर छिड़ी जंग

– 9 जजों की संवैधानिक बेंच कर रही सुनवाई

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में इन दिनों 45 साल पहले पूर्व पीएम जुल्फिकार अली भुट्टो को दी गई फांसी की सजा पर जंग छिड़ी हुई है। लंबे अरसे से पूर्व पीएम भुट्टो की फांसी के फैसले को गलत बताया जाता रहा है। अब मामले में अर्जी दाखिल की गई तब 9 जजों की संवैधानिक बेंच में मामले की बहस चल रही है। मांग है कि भले ही पूर्व पीएम भुटटों की जिंदगी नहीं लौटाई जा सकती, लेकिन उन्हें दोषी ठहराने के फैसले की समीक्षा हो सकती है। शीर्ष अदालत ने संकेत दिया है कि सोमवार तक इस मामले में बहस समाप्त हो सकती है। इस बीच सुनवाई के दौरान अदालत में एमिकस क्यूरी यानी न्याय मित्र के तौर पर पेश सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज मंजूर मलिक ने इस फैसले को न्याय की हत्या करार दिया।

उन्होंने कहा कि यह ट्रायल ऑफ मर्डर नहीं था बल्कि मर्डर ऑफ ट्रायल था। उन्होंने अदालत से अपील कर कहा कि वे इस ऐतिहासिक गलती में सुधार करे। केस की सुनवाई चीफ जस्टिस काजी फैज इसा की

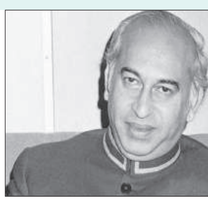

अगुवाई वाली 9 जजों की बेंच कर रही है। दरअसल पूर्व पीएम भुट्टो को लाहौर हाई कोर्ट ने 18 मार्च, 1978 को फांसी की सजा दी थी। उन्हें पीपीपी के संस्थापक सदस्यों में से एक अहमद रजा कसूरी की हत्या का आदेश देने पर यह सजा दी गई थी। इस फैसले को बाद में सुप्रीम कोर्ट ने भी 4-3 के बहुमत से बरकरार रखा था और जिया उल हक के शासनकाल में उन्हें 4 अप्रैल, 1978 को ही फांसी दी गई थी। पूर्व पीएम भुट्टो को पसंद करने वालों की पाकिस्तान में बड़ी तादाद है। खासतौर पर उनकी पार्टी पीपीपी के सैकड़ों समर्थक उसमें शामिल हैं। 2008 से 2013 के दौरान पाकिस्तान में जब पीपीपी की हुकूमत थी, तब आसिफ अली जरदारी ने भुट्टो को मिली फांसी की सजा पर समीक्षा की अर्जी डाली थी।

बता दें कि आसिफ अली जरदारी राष्ट्रपति रहे हैं और वे जुल्फिकार अली भुट्टो के दामाद हैं। भुट्टो के नाती बिलावल भुट्टो जरदारी भी राजनीति में हैं। जुल्फिकार की तरह ही उनकी बेटी बेनजीर भुट्टो की भी पाकिस्तान की सरेआम हत्या कर डाली गई थी।

इस मामले में बहस के दौरान एमिकस क्यूरी ने भुट्टो को मिली सजा पर सवाल उठाए। उन्होंने एक अहम सवाल उठाकर कहा कि कसूरी की हत्या का आदेश देने का आरोप भुट्टो पर लगता है। लेकिन जब केस चला तब एक गवाह मसूद महमूद का बयान लिया और उन्होंने माना कि भुट्टो ने आदेश दिया था। लेकिन दूसरे गवाह का बयान नहीं लिया गया क्योंकि उसका दावा कुछ अलग था। उन्होंने कहा कि मसूद महमूद भी उसी जिले का था, जहां के कसूरी थी।

राष्ट्रपति चुनाव के रण में बगैर किसी रोक-टोक ग्रैंड एंट्री के लिए तैयार ट्रंप ! सुप्रीम कोर्ट ने क्या नया फैसला सुना दिया ?

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर तमाम आपराधिक केस चल रहे हैं। इनमें से 2020 में हुए चुनाव में धांधली का केस भी शामिल है। जिस पर कैपिटल हिल परिसर में हिंसा भी देखने को मिली थी। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने डोनाल्ड ट्रंप पर इस आपराधिक केस में छूट दिए जाने पर फैसला सुनाया और कहा कि पूर्व राष्ट्रपति को इस केस पर अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए एक और मौका दिया जाना चाहिए। न्यायाधीशों ने विशेष वकील जैक स्मिथ द्वारा चलाए जा रहे आपराधिक मामले पर रोक लगा दी है और अभियोजन से छूट के ट्रम्प के दावे को निचली अदालत द्वारा खारिज करने की समीक्षा करेंगे क्योंकि वह राष्ट्रपति थे जब उन्होंने राष्ट्रपति जो बिडेन की चुनावी जीत को उलटने के उद्देश्य से कार्रवाई की थी।

सुप्रीम कोर्ट ने मामले को 22 अप्रैल के सप्ताह के दौरान एक प्रश्न पर मौखिक बहस के लिए निर्धारित किया गया। जिनमें देखा जाएगा कि किस हद तक एक पूर्व राष्ट्रपति को कार्यालय में अपने कार्यकाल के दौरान आधिकारिक कृत्यों में शामिल आचरण के लिए आपराधिक मुकदमा चलाने से राष्ट्रपति की छूट प्राप्त है। आपराधिक मुकदमा चलाने वाले पहले पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प, 5 नवंबर के अमेरिकी चुनाव में डेमोक्रेट बाइडेन को चुनौती देने के लिए रिपब्लिकन नामांकन के लिए सबसे आगे हैं।

यह मामला एक बार फिर देश के शीर्ष न्यायिक निकाय को चुनाव मैदान में धकेल देता है, जिसके 6-3 रूढ़िवादी बहुमत में ट्रम्प द्वारा नियुक्त तीन न्यायाधीश शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट इस बात पर भी फैसला सुनाने वाला है कि क्या उस न्यायिक फैसले को पलट दिया जाए जिसने विद्रोह के संबंध में संवैधानिक प्रावधान के आधार पर ट्रम्प को कोलोराडो के रिपब्लिकन प्राथमिक मतदान से रोक दिया था।

संदेशखाली की टीस और टीएमसी की गुंडागर्दी

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

इस पर भी ममता सरकार अभी भी अपनी गलती मानने को तैयार नहीं, यह उसकी बेशर्मी की हद है। आज वह कह रही हैं कि 'संदेशखाली' में कुछ हुआ ही नहीं है। यह तो बीजेपी झूठ फैला रही है। ममता बनर्जी की सरकार ने राज्यपाल की रिपोर्ट तक को आधारहीन करार दे दिया है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल ये है कि अगर संदेशखाली में सब कुछ ठीक है तो फिर यहां गिरफ्तारियां क्यों हो रही हैं? क्यों पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में हिन्दू महिलाओं के साथ गैंगरेप करने और उनकी जमीनों पर अवैध कब्जा करने के आरोपी टीएमसी नेता शेख शाहजहां गिरफ्तार करने का आदेश कोलकाता हाई कोर्ट ने दिया है ? कोर्ट ने टीएमसी की सरकार को फटकार क्यों लगाई है?

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के राज में अत्याचार की जड़ें कितनी गहरी हैं, इसके तमाम सुबूत पिछले कई वर्षों से लगातार सामने आ रहे हैं। पहले जो अत्याचार वामपंथ की सत्ता में यहां हो रहा था, वही आज ममता की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के लोग कर रहे हैं । कल के वामपंथी आज ममता के साथ खड़े हैं । जिस अत्याचार से मुक्ति दिलाने के भरोसे यहां की आम जनता ने ममता को सत्ता में बैठाया, वह अब अपने को ठगा महसूस कर रही है। पश्चिम बंगाल में गहरे से देखा जाए तो यही जान पड़ता है कि पूरे भारत में जो नियम और संविधान चलता है वो आज वह इस राज्य में में नहीं है। यहां तो टीएमसी के लिए एक नियम है और अन्यों के लिए एक अलग नियम है। स्थिति इतनी खतरनाक है कि कब, कहां बम फोड़ दिया जाए कुछ पता नहीं । यहां कई जिलों में महिलाओं की चीखों के साथ रात गुजरती है।

नहीं दिखता यहां ममता बनर्जी को महिलाओं का दर्द, अब तक 1250 शिकायतें सामने आईं: पंश्चिम बंगाल में जो दर्द ह्वसंदेशखालीह्व क्षेत्र का बाहर निकलकर आया भी, तो उसे दबाया जा रहा है। पिछले तीन दिन में यहां पर तीन हमले हुए हैं। लोगों को डराया जा रहा है। विशेषकर महिलाओं पर हमले हो रहे हैं । पश्चिम बंगाल की स्थिति कितनी खराब है, वह इससे भी समझा जा सकता है कि एक महिला होकर भी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को यहां की महिलाओं का दर्द दिखाई नहीं दे रहा है। राज्य में कितनी अधिक अराजकता है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि यहां सिर्फ संदेशखाली क्षेत्र में ही 18 फरवरी से अब तक 1250 शिकायतें मिली हैं। यौन उत्पीड़न का नया मुख्य केंद्र ह्वसंदेशखालीह्व है, आज यह सामने आया है। अनुसूचित जनजाति आयोग को आदिवासी महिलाओं के यौन उत्पीड़न की 50 शिकायतें मिली हैं। प्रशासन को 400 जमीन हड़पने की शिकायतें मिली हैं। ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर के पास जितनी भी शिकायतें पीड़ितों ने की हैं, उनमें से अधिकतर जमीनों पर जबरन कब्जा करने और महिलाओं के साथ रेप और यौन शोषण जैसी शिकायतें हैं। कुल मिलाकर बीते सप्ताह में शेख शाहजहां के खिलाफ 700 से अधिक शिकायतें दर्ज की गई हैं।

फिर डर समाया, बंद होने लगी अत्याचार से जुड़ी आवाजें: यहां यह भी देखने में सामने आया है कि कल तक जो महिलाएं अपनी आवाज खुलकर बुलंद कर रहीं थीं, वे अचानक से आज चुप हो गई हैं। जिन्हें प्रताड़ित किया गया, उनकी भी आवाज अब दबा दी गई है। जब उनसे उनकी इस चुप्पी का कारण पूछा गया तो उनका साफ कहना है कि ह्यमाफ कीजिए, हम बात नहीं कर सकते।ह्ण यहां की आम महिलाएं अब दबी आवाज में बोल रही हैं, कल जब आरोपित जेल से छूट जाएंगे, तब हमें कौन बचाएगा। जिन्होंने शाहजहां शेख, शिबू हाजरा और उत्तम सरदार के विरोध में बोला, उन पर हमले होने लगे हैं। कोई उन्हें

बचाने नहीं आ रहा । ममता की पुलिस टीएमसी के बदमाशों की सुनती है। तीन दिन में 3 बड़ी घटनाएं हो चुकीं हैं । पुलिस मौजूद है, लेकिन आरोपितों पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही। ऐसे में अब शिकायत किससे करें? गांव में कोई बोलने को तैयार नहीं कि गैंगरेप की शिकार महिलाएं कौन हैं और अभी वह कहां पर हैं? जिन दो महिलाओं ने पहले शिकायत की थी, उन्हें गायब बताया जा रहा है।

शाहजहां शेख के भाई सिराजुद्दीन के अत्याचार भी आने लगे सामने: संदेशखाली में अभी तक टीएमसी के बदमाशों में तीन नाम प्रमुखता से सामने आए थे- शाहजहां शेख, शिबू हाजरा और उत्तम सरदार, लेकिन, अब शाहजहां शेख के भाई सिराजुद्दीन, उपनाम डॉक्टर का भी नाम सामने आया है, जोकि ग्रामीणों की जमीन हड़पने, उन्हें डराने, भगाने, महिला बलात्कार और कई तरह से उन्हें प्रताड़ित करने का काम करता है। इसके विरोध में अभी कुछ लोग हिम्मत करते हुए सामने भी आए हैं, लेकिन उन्हें अब डर है कि आगे उनका भी वही हाल न हो जोकि अन्य विरोध करनेवालों का शाहजहां शेख का भाई सिराजुद्दीन तमाम प्रताड़नाएं देकर करता रहा है।

पाकिस्तान, सीरिया, ईरान, अफगानिस्तान जैसे हालात: यह तो भारतीय जनता पार्टी के प्रयासों का परिणाम है जो ह्यसंदेशखालीह्ण के मुद्दे पर मजबूरन ममता सरकार को पीड़ितों की शिकायतों को दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर देनी पड़ी। नहीं तो वर्षों से यहां पुलिस संरक्षण में अत्याचार हो रहा है और शासन-प्रशासन चुप था। सिर्फ पश्चिम बंगाल में ह्यसंदेशखालीह्ण क्षेत्र ही नहीं, कई जगह हिंसा और अराजकता का माहौल है। आप यहां जाएंगे तो यह लगेगा ही नहीं कि भारत के किसी क्षेत्र में आप घूम रहे हैं। आपको पाकिस्तान, सीरिया, ईरान, अफगानिस्तान के तालीबानी शासन में होने का अनुभव मिलता है। संदेशखाली की तरह ही राज्य के कई हिस्सों में महिला अत्याचार की अनेक घटनाएं प्रतिदिन घट रही हैं । यहां इस एक घटना से भी समझ सकते हैं कि पूरे पश्चिम बंगाल की कितनी भयावह स्थिति है।

राज्य के मुर्शिदाबाद के हरिहरपाड़ा से जब यह घटना सामने आई तो ह्दय तक रो उठा । यहां खेत में एक 13 साल की हिन्दू बच्ची का शव मिला, जिसका रेप करने के बाद उसकी बहुत बेरहमी से हत्या कर दी गई थी । बंगाल पुलिस ने बड़ी ही चालाकी से पूरे प्रकरण को दबाने की कोशिश की। पीड़िता के परिजनों की नहीं सुनी गई, तब कोलकाता हाई कोर्ट की शरण में न्याय मांगने के लिए परिवार गया। जहां से आदेश हुआ और शव को जमीन से निकाला गया तो दिल दहला देने वाला मंजर सामने आया। दरिंदगी की सारी हदें पार कर दी गई थीं। हत्यारों ने पहले बच्ची का रेप किया, फिर उसके दोनों स्तनों को काटा। इसके बाद उसकी दोनों आंखें निकालकर फेंक दी गईं, फिर उसे दफना दिया गया था । बच्ची के परिजनों का कहना था कि इतना ही नहीं उसके शरीर पर दांत के काटने के कई-कई जगह स्पष्ट निशान थे।

आरोप है कि जब परिजनों ने पुलिसवालों से शव को पोस्टमार्टम के लिए कहा तो उन्होंने इससे साफ मना कर दिया। उन्होंने शव का पंचनामा करने के बाद शव फिर से दफना दिया। इसके बाद मृतका के परिजन मामले को लेकर हाई कोर्ट पहुंचे। हाई कोर्ट ने मामले की सुनवाई करने के बाद पुलिस को शव को बाहर निकालकर उसका पोस्टमार्टम कराने का आदेश दिया। 20 दिन के बाद बच्ची के शव को बाहर निकाला गया। तब जाकर उसके साथ बर्बरता का खुलासा हो सका । अब यहां बड़ा प्रश्न यह है कि जिस पश्चिम बंगाल के ममता राज में पुलिस इस तरह से प्रकरणों को दबाने की कोशिश करती है, क्या उस राज्य के किसी भी हिस्से में सही जांच की उम्मीद की जा सकती है?

शेख शाहजहां के लोगों के निशाने पर हिन्दू: संदेशखाली में हिन्दू महिलाओं पर ममता बनर्जी के गुर्गे शेख शाहजहां द्वारा लगातार अत्याचार किए जाने का आरोप है। ऐसे कई वीडियो और तस्वीरें सामने आ चुके हैं, जिनमें पीड़ित हिन्दू कहते देखे गए कि वो ये जानते हैं कि हिन्दू महिलाओं के साथ रेप और हत्या जैसी वारदात को शेख शाहजहां ने ही अंजाम दिया है, लेकिन अगर वो कुछ बोलेंगे तो उनके साथ भी इस तरह की वारदात हो सकती है। उनके घर जला दिए जाएंगे। उनको मार दिया जाएगा। हिन्दू वहां पर इतने खौफ में हैं कि वो कुछ भी बोलने तक से बच रहे हैं। पूरे क्षेत्र में सिर्फ हिन्दुओं पर ही खुलकर अत्याचार किए जा रहे हैं। न सिर्फ शेख शाहजहां के लोगों के निशाने पर हिन्दू हैं बल्कि पूरे पश्चिम बंगाल में, यहां के हर जिले में हिन्दुओं की सम्पत्ति और उन्हें निशाना बनाया जा रहा है।

तुरन्त लगना चाहिए इस राज्य में राष्ट्रपति शासन: राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा द्वारा प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लगाने को लेकर आज कहा गया है कि ये बंगाल के लोगों की आवाज है, पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगे। यहां के लोगों को केवल रोटी, कपड़ा मकान और शांति चाहिए, लेकिन आज बंगाल अशांत है। वह जल रहा है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का बंगाल अराजकता, अनैतिकता और अत्याचार की राजधानी बन गया है। अगर ममता बनर्जी की आंखों में थोड़ी सी भी शर्म बाकी है तो उन्हें इस्तीफा देना चाहिए।

इस पर भी ममता सरकार अभी भी अपनी गलती मानने को तैयार नहीं, यह उसकी बेशर्मी की हद है। आज वह कह रही हैं कि 'संदेशखाली' में कुछ हुआ ही नहीं है। यह तो बीजेपी झूठ फैला रही है। ममता बनर्जी की सरकार ने राज्यपाल की रिपोर्ट तक को आधारहीन करार दे दिया है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल ये है कि अगर संदेशखाली में सब कुछ ठीक है तो फिर यहां गिरफ्तारियां क्यों हो रही हैं? क्यों पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में हिन्दू महिलाओं के साथ गैंगरेप करने और उनकी जमीनों पर अवैध कब्जा करने के आरोपी टीएमसी नेता शेख शाहजहां गिरफ्तार करने का आदेश कोलकाता हाई कोर्ट ने दिया है ? कोर्ट ने टीएमसी की सरकार को फटकार क्यों लगाई है?

फिलहाल, लगता नहीं कि मुख्यमंत्री ममता अपनी और अपने शासन-प्रशासन तथा टीएमसी कार्यकताओं की गलती मानेंगी। विपक्ष के नाते भाजपा को भी यहां अभी लम्बा संघर्ष करना होगा। अल्पसंख्यक आयोग, राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग, राष्ट्रीय बाल आयोग, महिला आयोग समेत जितनी भी संविधानिक संस्थाएं हैं, पश्चिम बंगाल को लेकर उन सभी की अनुशंसाओं को केंद्र सरकार द्वारा प्रमुखता से लिए जाने की आज जरूरत है। साथ ही बंगाल के कुशासन को समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो गया है कि जितनी शीघ्रता से हो सके, ममता बनर्जी को उनके मुख्यमंत्री के पद से मुक्त कर दिया जाए।

संपादकीय

यात्रा हमारी सोच की

दिवंगत शासन श्री मुनि श्री पृथ्वीराजजी स्वामी (श्रीडुंगरगढ़) मुझे बात के प्रसंग में बोलते थे कि प्रदीप हमारे जीवन की जड़ हमारी सोच ही है जैसे नींव मजबूत होती है तो मकान की मजबूती बनी रहती है उसी तरह सोच हमारी अच्छी सही होती है तो हमारे जीवन की यात्रा आनन्द से चलती हैं ।सोच का प्रभाव पड़ता है मन पर , मन का प्रभाव पड़ता है तन पर , मन और तन दोनो का प्रभाव पड़ता है जीवन पर । इसलिये सोच हमारी महत्वपूर्ण है । जिस मनुष्य के ह्रदय में सही दृष्टिकोण हो उसकी सोच हमेशा यही होगी कि मुझे मिला हुआ दु:ख किसी को नही मिले और मुझे मिला हुआ सुख सबको मिले ।मन की सुंदर सोच है तो सारा संसार सुंदर नज़र आएगा और जैसे विचार वैसे शब्दों के चयन में विनम्रता-श्रद्धा-आदर-समर्पण-निष्ठा के भाव हो क्योंकि विचार एक भावनात्मक उपचार हैं, और आचार यह हमारे आत्मसम्मान के गुण को बढ़ाता हैं । हम जब भी अपना पथ प्रशस्त कर लक्ष्य बनाते हैं तो उसे प्राप्त करने के सही तरीक़े सोचते हैं और सदाचार की राह श्रद्धा-निष्ठा से सफलता प्राप्त करते हैं । तालाब एक ही है उसी तालाब मे हंस मोती चुनता है और बगुला मछली सोच -सोच का फर्क होता है। आपकी सोच ही आपको बडा बनाती है। जैसी सोच होगी वैसी ही वाणी होगी । अग्नि चाहे दीपक की हो, चिराग की हो अथवा मोमबत्ती की लौ से हो इसके दो ही कार्य है जलना और प्रकाश करना यह हमारे विवेक के ऊपर निर्भर करता है कि हम इसका कहाँ उपयोग करें, यही लौ मनुष्य के शरीर को शांत भी कर देती है,यही लौ अन्धकार को दूर कर सम्पूर्ण जगत को प्रकाशमय कर देती है, अत: चिन्तन की बात यह है कि उपयोग करने के ऊपर निर्भर है वो उसी वस्तु से पुण्यार्जन कर सकता है तो थोड़ी चुक होने पर पापार्जन भी कर सकता है। अत: हम सदा अच्छा सोचें, अहर्निश खुश रहें। हँसते मुस्कुराते रहें। जीवन की यात्रा में आदत ही ऐसी बना लें कि गीत खुशी के गाते रहें।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

चिंतन-मनन

व्यवहार से ही मिल गया सवाल का जवाब

एक दार्शनिक समस्याओं के अत्यंत सटीक समाधान बताते थे। एक बार उनके पास एक सेनापति पहुंचा और स्वर्ग-नर्क के विषय में जानकारी चाही। दार्शनिक ने उसका पूर्ण परिचय पूछा तो उसने अपने वीरतापूर्ण कार्यो के बारे में सविस्तार बताया। उसकी बातें सुनकर दार्शनिक ने कहा - शक्ल-सूरत से तो आप सेनापति नहीं, भिखारी लगते हैं। मुझे विश्वास नहीं होता कि आपमें हथियार उठाने की क्षमता भी होगी। दार्शनिक की अपमानजनक बातें सुनकर सेनापति को गुस्सा आ गया। उसने म्यान से तलवार निकाल ली। यह देख दार्शनिक ठहाका लगाते हुए बोले - अच्छा तो आप तलवार भी रखते हैं। यह शायद काठ की होगी। लोहे की होती तो अब तक आपके हाथ से छूटकर गिर गई होती। अब तो सेनापति आपे से बाहर हो गया।

उसकी आंखें क्रोध से लाल हो गईं और वह दार्शनिक पर हमला करने को उद्यत हो गया। तभी दार्शनिक ने गंभीर होकर कहा - बस यही नर्क है। क्रोध में उन्मत्ता होकर आपने अपना विवेक खो दिया और मेरी हत्या करने को तत्पर हो गए। दार्शनिक की बात सुनकर सेनापति ने शांत होकर तलवार म्यान में वापस रख ली। तब दार्शनिक ने कहा - विवेक जाग्रत होने पर व्यक्ति को अपनी भूलों का अहसास होने लगता है। मन शांत होने से स्थिरता आती है और दिव्य आनंद की अनुभूति होती है। यही अनुभूति स्वर्ग है। सेनापति को अपने प्रश्न का उत्तार मिल गया। सार यह है कि आत्मनियंत्रण से विवेक उपजता है, जिसके कारण अनुचित कर्म या व्यवहार पर रोक लगती है और जीवन में शांति व संतोष की अनुभूति होती है।

लोकसभा चुनाव में मतदाताओं को मिलेंगे 2000 रुपए के नोट?

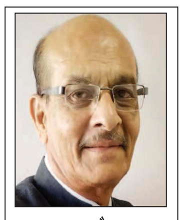

सनत जैन

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा जानकारी दी गई है, कि अभी तक रिजर्व बैंक में 8897 करोड मूल्य के 2000 रुपए के नोट रिजर्व बैंक के खजाने में वापस नहीं आए हैं। 19 मई 2023 को रिजर्व बैंक ने 2000 रुपए के नोटों को प्रचलन से बाहर करने का निर्णय लिया था। 23 सितंबर 2023 तक सभी बैंकों को 2000 रुपए के नोट बदलने का निर्देश दिया गया था। उस समय रिजर्व बैंक ने कहा था, 23 सितंबर के बाद यह नोट प्रचलन से बाहर हो जाएंगे। रिजर्व बैंक ने अभी तक इन नोटों को प्रचलन से बाहर नहीं किया है। रिजर्व बैंक के नए निदेर्शानुसार केवल रिजर्व बैंक की शाखाओं से ही कुछ सीमा तक 2000 रुपए के नोट बदले जा सकते हैं। सभी रिजर्व बैंक की शाखाओं में आज भी 2000 रुपए के नोट बदले जा रहे हैं। रिजर्व बैंक ने अभी भी इस पर रोक नहीं लगाई है। इसके बाद भी रिजर्व बैंक में अभी तक लगभग 9000 करोड रुपए के नोट वापस नहीं आए हैं। यह कोई छोटी-मोटी रकम नहीं है।

राजनीतिक हलकों में इस बात की चर्चा हो रही है। 8897 करोड रुपए के 2000 के नोट एक प्रमुख राजनीतिक दल और कई बड़े-बड़े पूंजी पतियों ने अपने पास सुरक्षित करके रखे हुए हैं। 2000 रुपए के नोट को अभी तक रिजर्व बैंक ने बंद करने का निर्णय नहीं लिया है। रिजर्व बैंक को इसकी अभी तक सरकार से 2000 के नोट बंद करने की अनुमति नहीं मिली है। माना जा रहा है, 2000 के नोटों का उपयोग 2024 के लोकसभा चुनाव में किया जाएगा है। यह भी चर्चा है, लोकसभा चुनाव के दौरान मतदाताओं को नोट के बदले वोट लेने के लिए 2000 रुपए के नोट दिए जाएंगे। इन नोटों को मतदाता रिजर्व बैंक की लाइन में लगकर बदल लेंगे। 2000 के कुछ नोट बदलने पर कोई पूछताछ नहीं होती है। इसी कारण से अभी तक रिजर्व बैंक ने 2000 रुपए के नोट पर रोक नहीं लगाई है। चचाओं में यह भी कहा जा रहा है, 2024 के लोकसभा चुनाव में लगभग 9000 करोड रुपए मतदाताओं को बांटे जाएंगे। लोकसभा चुनाव समाप्त हो जाने के बाद रिजर्व बैंक और सरकार 2000 रुपए के नोट बंद करने की अधिसूचना जारी करेगा। तब तक रिजर्व बैंक से यह नोट सीमित संख्या में बदले जाते रहेंगे। रिजर्व बैंक ने 19 मई 2023 को 2000 रुपए के नोट प्रचलन से बाहर किए थे। लगभग 9 महीने बीत चुके हैं। अब लोगों में इस बात की भी चर्चा है, कि जब 1000 और 500 रुपए की नोटबंदी हुई थी। उस समय ऐसा कोई समय नहीं दिया गया था। तत्काल प्रभाव से नोट प्रचलन से बाहर कर दिए गए थे। उसके बाद निश्चित समय सीमा पर बैंकों ने उन नोटों को वापस लिया था। जिसका पूरा हिसाब किताब, जिन्होंने बैंक में नोट जमा किए थे, उन्हें आयकर विभाग को हिसाब देना पड़ा। कई वर्षों तक उनकी आयकर विभाग में पेशी चलती रही। 2000 रुपए के नोट आमतौर पर चलन से बाहर हो चुके हैं। अभी तक उनके बदले जाने की प्रक्रिया रिजर्व बैंक के माध्यम से चल रही है। कहा जा रहा है, लोकसभा चुनाव होने तक यह प्रक्रिया चलती रहेगी। विपक्षी राजनैतिक दलों को तो चंदा ही नहीं मिल रहा है। ईड़ी और सीबीआई के डर से राजनैतिक विपक्षी दलों को कोई चंदा ही नहीं दे रहा है। विपक्षी दलों के पास खर्च करने के लिए पैसे नहीं हैं। चलन से बाहर किए गए 2000 केनोट से चुनाव लड़ने की यह तरकीब चचाओं में है। लोकसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए 9000 करोड रुपए की यह रकम बहुत बड़ी है।

सरकार एवं संवैधानिक संस्थायें अपने अधिकारों का उपयोग राजनैतिक एवं निजी स्वार्थ के लिये करने लगे। यह स्थिति भारतीय संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था को लेकर आम नागरिक में जो विश्वास हैं, वह खत्म होगा। 2000 के नेट यदि प्रचलन से बाहर कर दिये गए है। लोगों को पर्याप्त समय देने के बाद भी रिजर्व बैंक 9 माह बाद भी 2000 के नोट बदल रहा है। इससे 2000 के नोट बंद करने के पीछे जो उद्देश्य था वह पूरा नहीं हुआ। जिन लोगों ने अवैध कमाई और रिश्वत के जरिये 2000 के नोट में काला धन जमा किया था। वह काला धन सफेद भी हो गया। वहीं चुनाव को प्रभावित करने के लिये यदि 2000 के नोटों का उपयोग राजनैतिक दलों द्वारा किया जाता है। इससे ज्यादा आपत्तिजनक बात कोई सभी राजनैतिक नहीं हो सकती है।

मुद्दा : आस्था से मजाक बर्दाश्त नहीं

के. विक्रम राव

सामान्य अवधारणा है कि दैवी नाम केवल मनुष्यों को ही दिए जाते हैं। मगर सिलिगुड़ी वन्यप्राणी उद्यान में शेर और शेरनी का नाम अकबर और मां सीता पर रख दिया गया। भला ऐसी बेजा हरकत किस ईशोपासक को गवारा होगी?

अतः स्वाभाविक है कि सनातन संगठन विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) ने पश्चिम बंगाल की ममता सरकार को दोषी और संवेदनहीन करार दे दिया। विहिप की बंगाल शाखा ने इसे हिन्दू धर्म का अपमान बताते हुए कलकत्ता हाई कोर्ट में याचिका लगा दी। अदालत ने 20 फरवरी को सुनवाई की। शेरों के जोड़े का नाम बदलने का आदेश दिया है। साथ ही, अदालत ने शेरनी का नाम सीता रखने और शेर को अकबर नाम देने को लेकर बंगाल सरकार से भी जवाब मांगा है। मामला सिलीगुड़ी के सफारी पार्क का है। विहिप को इस बात की गहरी पीड़ा हुई है कि बिल्ली प्रजाति का नाम भगवान राम की पत्नी सीता को दिया गया है। शेर-शेरनी के इस जोड़े को हाल ही में त्रिपुरा के सेपाहिजला जूलॉजिकल पार्क से कोलकता लाया गया था। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने शेरों का नाम नहीं बदला है। यहां आने से पहले ही (13 फरवरी को) उनका नाम रखा जा चुका था, जबकि विहिप का कहना है कि शेरों का नाम राज्य के वन विभाग ने रखा था। ह्यअकबरह्ण के साथ 'सीता' नाम रखना हिन्दू धर्म का अपमान है। इस मामले में राज्य के वन अधिकारियों और सफारी पार्क निदेशक को मुकदमे में पक्षकार बनाया गया है।

सिंगल बेंच के जस्टिस सौगत भट्टाचार्य ने पश्चिम बंगाल सरकार से कहा कि वह शेर-शेरनी को कोई दूसरा नाम देने पर विचार करें, ताकि विवाद को शांत किया जा सके। अदालत ने कहा कि देश में बड़ी संख्या में लोग मां सीता की पूजा करते हैं। अकबर एक कुशल और सफल मुगल सम्राट था। लेकिन यहां किसी के महान होने या किसी पूजनीय का मसला नहीं है, मसला है तो इस बात का है कि आखिर, किस भावना बल्कि कुत्सित मानसिकता के चलते यह हरकत की गई। कहने में गुरेज नहीं कि यह कृत्य समुदाय विशेष की भावनाओं को आहत करने के लिए किया गया है। इसी तरह समुदायों के बीच कटुता के बीज बोए जाएंगे तो भारत की सर्वधर्म समभाव की भावना का क्या होगा। अच्छी बात है कि अदालत ने इस मामले में तत्परता दिखाते हुए फैसला दिया है।

अदालत ने कहा : 'वकील साहब, क्या आप खुद अपने पालतू जानवर का नाम किसी हिन्दू भगवान या मुस्लिम पैगंबर के नाम पर रखेंगे। मुझे लगता है, अगर हममें से कोई भी अधिकारी होता, तो हममें से कोई भी उनका नाम अकबर और सीता नहीं रखता। क्या हममें से कोई रबींद्रनाथ टैगोर के नाम पर किसी जानवर का नाम रखने के बारे में सोच भी सकता है? इस देश का एक बड़ा वर्ग सीता की पूजा करता है।' एडिशनल एडवोकेट जनरल ने अदालत को बताया कि पश्चिम बंगाल सरकार ने इन जानवरों को कोई नाम नहीं दिया है।

त्रिपुरा चिड़ियाघर के अधिकारियों ने ये नाम दिए थे। इस पर अदालत ने कहा : 'धार्मिक देवता या ऐतिहासिक रूप से सम्मानित व्यक्तित्वों के नाम पर शेरों का नाम रखना अच्छा नहीं है। राज्य पहले से ही कई विवादों को देख रहा है। यह विवाद ऐसी चीज है, जिससे बचा जा सकता है।' अधिवक्ता ने कहा कि वह सुनिश्चित करेंगे कि शेरों को नये नाम दिए जाएं, लेकिन उन्होंने अदालत से याचिका को खारिज करने का भी आग्रह किया। इस पर अदालत ने कहा, 'चूंकि शेरों के नाम लिए गए हैं। याचिकाकर्ता दावा कर रहे हैं कि इससे हिन्दू समुदाय की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं, इसलिए मामले की जांच करनी होगी। लेकिन यह एक जनहित याचिका के तौर पर होगी।'

अदालत ने आदेश दिया कि याचिका को जनहित याचिका के रूप में लिया जाए। इसे उस खंडपीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया जाए जो जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करती है। कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा : 'कृपया विवाद से बचें और अपने अधिकारियों से इन जानवरों के नाम बदलने के लिए कहें। किसी भी जानवर का नाम किसी हिन्दू भगवान, मुस्लिम और ईसाई पैगंबर, महान पुरस्कार विजेताओं, स्वतंत्रता सेनानियों आदि के नाम पर न रखें।

आम तौर पर जो पूजनीय और सम्मानित होते हैं, उनका नाम कभी भी नहीं दिया जाना चाहिए।' न्यायमूर्ति ने सुझाव दिया कि राज्य सरकार के वकील विवाद से बचने के वास्ते चिड़ियाघर के अधिकारियों से शेर और शेरनी को अलग-अलग नाम देने के लिए कहें। भारत धर्मनिरपेक्ष देश है और हर समुदाय को अपने धर्म का पालन करने का अधिकार है। जस्टिस भट्टाचार्य ने पूछाः 'आपको सीता और अकबर के नाम पर एक शेरनी और एक शेर का नाम रखकर विवाद क्यों खड़ा करना चाहिए?'

शरीर भी आर्थिक स्थिति देखकर देता है साथ

कहा जाता है कि बुरे समय में आपका सबसे अच्छा साथी आपका स्वास्थ्य होता है, लेकिन यह कहावत शायद पूरी तरह सच नहीं है, क्योंकि आपका शरीर भी आपकी आर्थिक स्थिति को देखकर आपका साथ देता है।

ब्रिटिश वैज्ञानिकों के दल ने इस बात का दावा किया है कि लंबी आयु के लिए जिम्मेदार हार्मोन भी तभी आपका साथ देता है, जब आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी होती है। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के शोधकर्ताओं ने पाया कि लंबी आयु के लिए जिम्मेदार हार्मोन डीएचईएएस (डी हाइड्रोइपिएंड्रोस्टोरेन सल्फेट) की अधिकतम मात्रा याददाश्त को बढ़ाने, तनाव को कम करने में मददगार होती है और खासकर यह पुरुषों में पचास साल की आयु के दौरान काम करने लगता है।

लंबी आयु के लिए जरूरी

शोध दल के प्रमुख सर माइकल ने बताया, मैं विश्वास से कह सकता हूं कि यह हमने पहली बार किया है। मेरा यह निजी तौर पर मानना है कि यह तनाव को कम करने का एक तरीका हो सकता है। आपके शरीर में हार्मोन डीएचईएएस (डी हाइड्रोइपिएंड्रोस्टोरेन सल्फेट) की अधिकतम मात्रा में मौजूदगी आपको लंबे समय तक जिंदा रखती है। गुर्दे के ऊपर स्थित एड्रीनल गंथि से स्रावित होने वाला यह हार्मोन उनमें अधिकतम मात्रा में पाया जाता है, जो ज्यादा व नियमित तौर पर व्यायाम करते हैं और ज्यादा खुशी, उत्साह, रोमांच और अपने दोस्तों व परिवार के साथ जिंदगी व्यतीत करते हैं। इस तरह का आरामदायक और विलासितापूर्ण जीवन जीना, तभी संभव है जब आपके पास अकूत धन हो।

उम्र बढ़ने पर होता है स्रावित

उम्र को लेकर किए गए अध्ययन में यह बात सामने आई है कि एक दूसरा हार्मोन आईजीएफ (इंसुलिन लाइक ग्रोथ फैक्टर) भी उम्र बढ़ने के साथ कम मात्रा में स्रावित होने लगता है। ये दोनों हार्मोन सम्मिलित रूप में मिलकर तनाव की स्थिति को कम करते हैं। इसके साथ ही यह शरीर की अन्य जैविक गतिविधियों मसलन पाचन, प्रतिरक्षा तंत्र और ऊर्जा बनने की प्रक्रिया को नियंत्रित करने का काम करते हैं। इस प्रयोग को करने के लिए शोधकर्ताओं के दल ने करीब पचास साल की उम्र के 1000 व्यक्तियों के खून के नमूने प्राप्त कर यह निष्कर्ष निकालने में कामयाबी पाई। सर माइकल ने कहा, हमने स्पष्ट रूप से पाया कि कम धनी लोगों के बीच तनाव, मोटापा और अनियमित शारीरिक व्यायाम, धूम्रपान की अधिकता तथा हरी सब्जियों और फलों का कम मात्रा में सेवन कुछ ऐसे कारक थे, जो उनके बीच मधुमेह और उच्च रक्तचाप की समस्या को उत्पन्न करने के लिए जिम्मेदार थे।

हार्मोन को सीधा बढ़ाएंगे

शोधकर्ताओं के मुताबिक इस नए शोध के परिणाम की वजह से ऐसी दवाओं के निर्माण का रास्ता खुल गया है, जिसके जरिए हम शरीर में इस तरह के हार्मोन को सीधे बढ़ा पाएंगे। शरीर में इस तरह के हार्मोन के स्तर को बढ़ाने का मामला केवल कुछ गोलियां खाकर पूरा नहीं हो सकता। इस हार्मोन का स्राव बचपन और युवावस्था में काफी मात्रा में होता है, लेकिन उम्र बढ़ने के साथ ही इसके स्राव में गिरावट आने लगती है। अस्सी की उम्र में तो इसकी स्रावित मात्रा युवावस्था के मुकाबले में केवल दस प्रतिशत ही रह जाती है।

विलसन डिजीज से होता है पढ़ाई में चिड़चिड़ापन

यदि आपके बच्चे का पढ़ाई-लिखाई में मन नहीं लग रहा है, उसमें चिड़चिड़ापन आने लगा है तो आप इसे हल्के से नहीं लें। हो सकता है कि उसे विलसन डिसीज हो गई हो। प्रदेश में लगभग आठ प्रतिशत बच्चे इस बीमारी से पीड़ित हैं।

न्यूरोलॉजिस्ट सैमुअल अलेक्जेंडर विलसन ने 1912 में इस रोग का पता लगाया था। तभी से इस बीमारी को नाम मिला। मस्तिष्क व लीवर के ऊत्तकों (टिश्यू) में मौजूद एटीपी-7 बी नामक जीन (जो कि एक प्रोटीन होता है) के विभाजन (म्यूटेशन) के कारण यह बीमारी होती है। यानी भोजन के साथ शरीर में पहुंचने वाला तांबा तत्व ठीक से नहीं घुल पाता और ऊतकों में जमा हो जाता है।

संतान में संभावना

इस जीन की एक असामान्य कॉपी 100 में से एक मनुष्य में मौजूद रहती है। इस बीमारी के लक्षण माता-पिता में तो नहीं दिखाई देते, पर वे वाहक (कैरियर) बन जाते हैं और बच्चों में 6 से 20 की उम्र में लक्षण उभर जाते हैं।

कॉपर बढ़ना है कारण

यह बीमारी शरीर में कॉपर की मात्रा बढ़ने से होती है, इसलिए बच्चे को चाकलेट व बादाम नहीं देना चाहिए। विलसन डिसीज होने पर यदि समय पर रोगी का उपचार नहीं किया गया तो इससे लीवर और आंखों को क्षति पहुंच सकती है। इसका इलाज अभी महानगरों में मौजूद है। बच्चे में कॉपर की मात्रा बढ़ने से उसमें पढ़ाई के प्रति उकताहट होने लगती है, किसी अन्य काम में भी उसका मन नहीं लगता, इसलिए बेहतर है कि उसे चाकलेट खाने को नहीं दिया जाए।

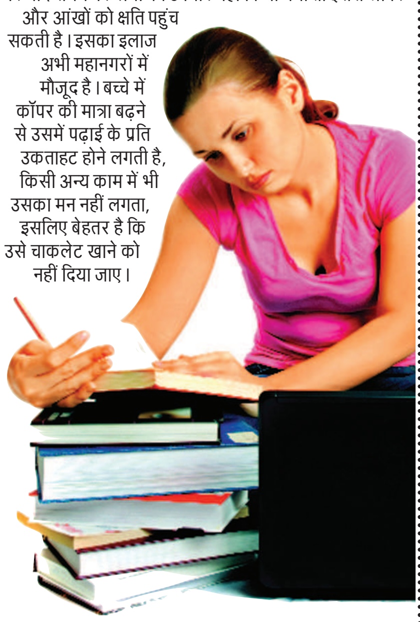

अगर आपके कंधों, बाहों में जोर का दर्द है और लंबे समय तक ठीक नहीं हो रहा है तो आपको रोटेटर कफ टियर की जांच और परीक्षण कराने की जरूरत है।

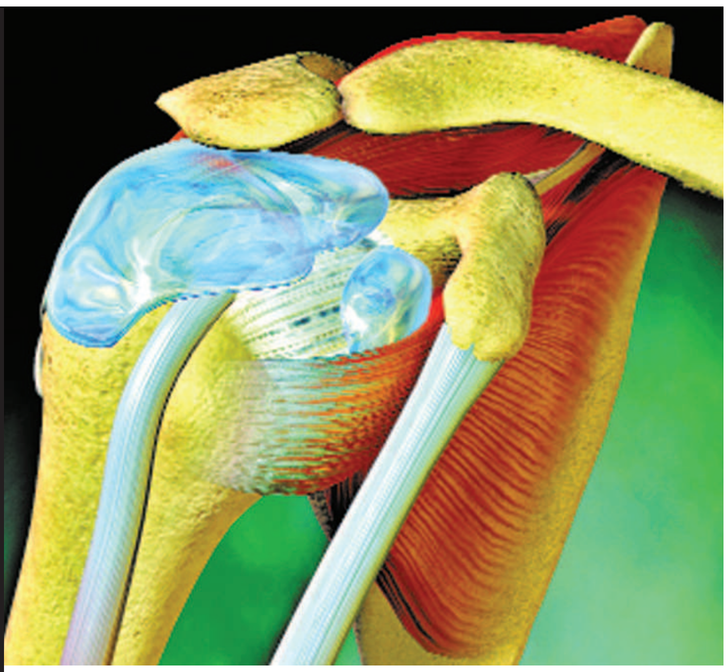

कंधों-बांहों में दर्द का कारण रोटेटर कफ इंजरी

चार पेशिया कंधे की हड्डी और पसलियों की मांसपेशियों को ऊपरी बांह की हड्डी के साथ जोड़ती हैं, क्योंकि ये पेशियां बांह को उसके कोटर के भीतर घूमने में मदद करती हैं, इन पेशियों के आस्तीन को रोटेटर कफ कहा जाता है।

रोटेटर कफ पेशियां

रोटेटर कफ में पेशियां आसानी से घायल हो सकती हैं, क्योंकि ये एक तंग जगह के भीतर घूमती हैं। जब कंधे को उसके घुमाव की प्राकृतिक सीमा की हद में मोड़ा या उठाया जाता है, इस तंग जगह में पेशियां भी घूमती हैं। कभी कभी रोटेटर कफ की पेशियां उसके ऊपर के हड्डीदार लौंदे (अंशकूट) या कंधे के सामने एक अस्थिबंध से टकरा या रगड़ खा सकती हैं। इस घर्षण को इंमपिंजमेंट सिंड्रोम के नाम से जाना जाता है और रोटेटर कफ में सूजन का कारण बनता है। रोटेटर कफ घर्षण की सूजन पैदा करने की सबसे ज्यादा संभावना होती है। यदि आपके कंधे का घुमाव कठिन या दोहरावदार है। सूजन तीन समस्याएं पैदा कर सकती है:

रोटेटर कफ टैंडोनाइटिस

अकेली पेशी की सूजन विशिष्ट घुमाव में दर्द उत्पन्न करती है, जब मांसपेशी जो उस पेशी को खींचती है, उपयोग हो रही है या जब आप ऊपर की ओर पहुंच रहे हैं।

शोल्डर बर्साइटिस

उप-अंशकूटीय बरसाइटिस भी कहते हैं। बरसाइटिस तब होता है जब सूजन तरल पदार्थ, जो रोटेटर कफ की पेशियों को चिकना करता है और खंड तक फैल जाती है। दर्द अक्सर रात में और बुरा होता है, जब आप लगभग किसी भी दिशा में अपना कंधे ले जाते हैं, खासकर यदि आप ऊपर की ओर ले जाते हैं।

रोटेटर कफ टियर

- सूजन के कारण कमजोर हो जाने के बाद पेशी टूट सकती है।
- कंधे के इस्तेमाल के कई प्रकार सामान्यत: रोटेटर कफ की वजह से होते हैं:

अपने हाथों से धक्का देना

घुटने के गठिया, टांगों में अन्य दर्दनाक स्थितियां, या जांघों में कमजोर चतु:शिरस्क पेशियों द्वारा पीड़ित लोग अपने हाथों से धक्का देकर क्षतिपूर्ति करते हैं, जब वे कुर्सी से उठते हैं। कंधे इस प्रयोग के लिए नहीं बनाए गए हैं। धक्का देने के दौरान, कंधे की कोटर और प्रगंडिका एक उल्टी मोरटार और मूसल जैसे काम करती हैं, रोटेटर कफ पेशियों को कुचलते और पीसते हुए। फैलाए हुए हाथ के बल गिरते हैं, सीधे वाहन दुर्घटनाओं और खेलों में टक्कर भी पेशियों को कुचल सकती हैं।

पुनरावृत्तीय फैलाव

ऊपरी हाथों की स्थिति तंग जगह जिनसे रोटेटर कफ पेशियों को निकलना होगा, को छोटा कर देती हैं। पुश अप, तैराकी, घर की सफेदी, घिसना, भवन निर्माण करना, ऑटो मैकेनिक का काम और अन्य गतिविधियां रोटेटर कफ की चोट का कारण हो सकती हैं।

सशक्त या आकस्मिक ऊपरी बांह का घुमाव

टियर्स विशेष रूप से फेंकने वाली खेलों, रैकेट खेल और कुश्ती के खिलाड़ियों में आम हैं। अचानक संचलन, जैसे एक लॉन की घास काटने की मशीन शुरू करने के लिए खींचना, एक कमजोर पेशी को तोड़ सकता है। इसके अलावा आपका कंधा और आसानी से घायल हो सकता है अगर यह अस्वस्थ है। संकीर्ण जगह जो रोटेटर कफ पेशियों को घेरती है और भी संकीर्ण हो जाता है। अगर आपके कंधे की मांसपेशियां कमजोर या तंग हैं जब ऐसा होता है। दैनिक कंधे के संचलन की अधिक पेशी घर्षण पैदा करने की संभावना है।

रोटेटर कफ इंजरी की चिकित्सा

कंधे में टैंडोनाइटिस, बरसाइटिस और छोटे रोटेटर कफ टियर्स का प्रभावी रूप से कोर्टिकोस्टेरॉयड दवा की सुई के साथ इलाज किया जा सकता है। इसके बाद कंधे की गति को पुन:संचलन में लाने और रोटेटर कफ की मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए भौतिक चिकित्सा के व्यायाम किए जाते हैं। नॉन स्टैरोइडल एंटी-इंफ्लेमेटरी ड्रग्स (एनएसए आईडी) जैसे आइबुप्रोफेन (एडविल, मोट्रिन और अन्य) दर्द और सूजन को कम करने में उपयोगी होती हैं। अगर आपका चिकित्सक पता लगाता है कि आपको कैल्सिफिक टैंडोनाइटिस है, तब डॉक्टर इस बीमारी का इलाज शुरू करता है। प्राय: दोहराती रोटेटर कफ की चोटों या रोटेटर कफ पेशी में बड़े चीरों के लिए सर्जरी आवश्यक हो सकती है।

रोटेटर कफ इंजरी का निदान

रोटेटर कफ की चोट का आमतौर पर शारीरिक परीक्षण द्वारा निदान किया जाता है। आपका चिकित्सक आपकी बांह कंधे से घुमाएगा और फिर आपकी बांह ऊपर उठाएगा। अगर ऐसी गति से दर्द होता है, रेटेटर कफ सूजा हो सकता है। अगर आपकी कमजोरी ध्यान देने योग्य है, तो आपको रोटेटर कफ टियर की जांच के लिए और परीक्षण कराने की जरूरत है। आपकी मांसपेशियां जो दर्द के कारण जवाब दे रही हैं, उनसे पेशी की वास्तविक कमजोरी में अंतर आपका चिकित्सक आपके कंधे में सुन्न करने वाली दवा डालकर कर सकता है। यदि टियर लग रहा है, एक चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग (एमआरआई) स्कैन या शोल्डर अर्थोनाम निदान की पुष्टि कर सकता है। आर्थोग्राम जोड़ों में डाई डालने के बाद कंधे का लिया एक एक्सरे है। कंधे के एक्सरे की हमेशा जरूरत नहीं होती, लेकिन ये मददगार है यदि आपके कंधे को आघात पहुंचा है या आपका चिकित्सक आपकी गति की पूरी सीमा तक आपका कंधा नहीं घुमा सकता। यदि आपके लक्षण सफल उपचार के बाद वापसी कर रहे हैं या जा नहीं रहे, आपका चिकित्सक एक्सरे का आदेश दे सकता है। कभी कभी सूजी हुई पेशी पर कैल्शियम तलछट बनते हैं, जो कैल्सिफिक टैंडोनाइटिस नामक स्थिति उत्पन्न करते हैं।

रोटेटर कफ इंजरी के लक्षण

रोटेटर कफ की चोटें आपके कंधे और ऊपरी बांह में दर्द का कारण उत्पन्न करती हैं। दर्द सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण तब हो सकता है, जब आप अपने हाथ ऊपर या बाहर फैलाते हैं। जब आप अपने हाथ उठाते हुए घुमाते हैं, पेशियों की आसपास के ढांचों से रगड़ने की अधिक संभावना है। इस कारण जब आप अपने बालों में कंघी करने या अपनी बांह आस्तीन में डालने की कोशिश करते हैं, आपके कंधे के लक्षण सबसे बुरे हो जाते हैं। रात में आपको क्षीण, दुखता हुआ कंधे का दर्द हो सकता है। इसके अलावा रोटेटर कफ टियर्स जो पेशी के एक महत्वपूर्ण भाग को प्रभावित करते हैं, कंधे की कमजोरी उत्पन्न कर सकते हैं। आपकी बांह एक तरफ बाहर फैलाकर रखने की या कोई वस्तु उठाने की क्षमता को सीमित करते हैं। दर्द की वजह से कंधे का उपयोग करने में कठिनाई का मतलब हमेशा ये नहीं कि टियर है।

अगर आप अधिक मात्रा में इत्र का इस्तेमाल कर रहे हैं तो सावधान हो जाइए। ज्यादा इत्र के लगाने से आप अवसाद के शिकार भी हो सकते हैं।

अधिक इत्र से अवसाद

इत्र के अधिक इस्तेमाल से आप जल्द बीमार पड़ सकते हैं। इत्र से न केवल तनाव और अवसाद (डिप्रेशन) की स्थिति उत्पन्न होती है, बल्कि सूंघने की शक्ति में भी कमी आती है।

करते थे इत्र से स्नान : इतिहास में इत्र की सबसे बड़ी दीवानी मेरी एन्टोयनेट अपने कभी ना नहाने के कड़वे सच को छुपाने के लिए इत्र लगाकर अपना सारा वातावरण सुगंधमय बना लेती थी। यूरोप में स्नान करना उस समय कोई आसान बात न थी। इसलिए इत्र ही सफाई और सुगंध के लिए एक सुविधाजनक था।

सूंघने की शक्ति में कमी : इत्र आधुनिक जीवनशैली का हिस्सा बनते जा रहे हैं, लेकिन मध्यपूर्व के एक विश्वविद्यालय के एक ताजे शोध के अनुसार यह सत्य हाल ही में सामने आया कि एक विशेष रूप के अवसाद से सूंघने की शक्ति में कमी आती है, जिसके कारण लोग ज्यादा या तेज इत्र का प्रयोग करते हैं। जब किसी तेज इत्र की खुशबू आपके नथुनों से टकराए तो आप संदेह कर सकते हैं कि यह व्यक्ति तनाव या अवसाद का शिकार है। यूएई में स्थित स्विस एरेबियन परफ्यूम नामक कंपनी के चेयरमैन हुसैन अदमाली के अनुसार अलग प्रकार की सुगंध से विभिन्न लोगों की मानसिक स्थिति में परिवर्तन होता है। हालांकि यह बात निश्चित रूप से नहीं कही जा सकती कि इत्र का अवसाद से कोई संबंध है या नहीं, पर इत्र की सुगंध मन की भावनाओं पर असर तो जरूर डालती है।

सुगंध की शक्ति : यदि आप नाक बंद कर के कोई चीज खाएं तो निश्चित है कि आप उसका पूरा आनंद भी नहीं ले पाएंगे। सुगंध में वह शक्ति है कि वह किसी भी अनुभव को प्रभावित तो करती ही है और बेहतर भी बनाती है। पर इस सबकी वैज्ञानिक व्याख्या के लिए अभी बहुत अध्ययन की आवश्यकता है। अब उपभोक्ताओं को भी बंधी बंधाई परिपाटी से बाहर निकलकर इत्र का चुनाव करते समय जागरूक होने की आवश्यकता है, क्यों कि अलग-अलग व्यक्तियों के शरीर के पर सही इत्र का चुनाव वैयक्तित्व में आत्मविश्वास की वृद्धि करता, जो दूसरों की दृष्टि में उसे अधिक लोकप्रिय बनाता है। अनेक इत्र ऐसे आकर्षक होते हैं कि उनकी सुगंध लोगों को पलटकर देखते पर विवश कर देती है।

ज्यादा फुहारें नुकसानदायक : अच्छे से अच्छा इत्र भी दो तीन छोटी फुहारों से अधिक नहीं छिड़कना चाहिए। अगर इसके बाद भी आपको लगता है कि और इत्र होना चाहिए तो किसी विश्वासपात्र व्यक्ति से पूछा जा सकता है कि और इत्र की आवश्यकता है या नहीं।

भारत में 2028 तक 50 फीसदी बढ़ सकती है अति-अमीरों की संख्या

नई दिल्ली ।

एक रिपोर्ट में अमीरों की संख्या में 50 फीसदी वृद्धि संभावना जताई गई है, जो 2023 में 13,263 से बढ़कर 2028 तक 19,908 हो जाएगी। भारत का मजबूत आर्थिक दृष्टिकोण, विशेष रूप से देश की उच्च जीडीपी विकास पूर्वानुमान अगले पांच सालों में अल्ट्रा हाई नेट वर्थ इंडिविजुअल्स (यूएचएनडब्ल्यूआई) में अपेक्षित वृद्धि का एक प्रमुख फैक्टर है। यह पॉजिटव आर्थिक पूर्वानुमान देश में धनी व्यक्तियों की संख्या में बड़ी वृद्धि का एक प्रमुख कारण है। देश के बाहर रहने वाले भारतीय इनोवेशन को बढ़ावा देने और कारोबारों और देशों के साथ मजबूत वै श्विक संबंध बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह कनेक्टिविटी पैसा कमाने और निवेश के अवसर पैदा करती है, जिससे भारत में धनी व्यक्तियों की संख्या बढ़ाने में मदद मिलती है। रिपोर्ट से पता चलता है कि अगले पांच सालों में एशिया में अति अमीर व्यक्तियों की संख्या में 38.3 फीसदी की वृद्धि देखी जाएगी, जो बताता है कि पैसा बनाने के लिहाज से यह क्षेत्र कितना महत्वपूर्ण है। पिछले 20 सालों में एशिया की अर्थव्यवस्था में काफी वृद्धि हुई है, जिससे यह वैश्विक स्तर पर अधिक प्रभावशाली हो गई है। भारत में ज्यादातर अति-अमीर व्यक्ति 2024 में अपनी संपत्ति बढ़ने के बारे में बहुत आशावादी हैं। उनमें से लगभग 90 फीसदी को उम्मीद है कि उनकी संपत्ति में वृद्धि होगी, 63 फीसदी को उम्मीद है कि इसमें 10 फीसदी से अधिक की वृद्धि होगी।

ब्रिटेन में टाटा लगाएगी सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक व्हीकल फैक्ट्री

मुंबई ।

तेजी से बढ़ रहे इलेक्ट्रिक कार कारोबार को देखते हुए टाटा समूह बैटरी बनाने के लिए नई गीगाफैक्ट्री लगाने पर विचार कर रही है। टाटा ग्रुप की सब्सिडियरी कंपनी एग्रेटास ब्रिटेन के ब्रिजवाटर में सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक व्हीकल फैक्ट्री लगाने की योजना बना रही है। बता दें कि ये ईवी प्लांट ब्रिटेन का अब तक का सबसे बड़ा प्लांट होगा और इसे टाटा ग्रुप तैयार करेगा। इसके लिए कंपनी 41000 करोड़ रुपए से ज्यादा का निवेश करेगी। इस गीगाफैक्ट्री के लिए कंपनी 41460 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। ये निवेश कर्ज और इक्विटी के मिश्रण से होगा और इसी फंड का इस्तेमाल कर प्लांट तैयार किया जाएगा। गौरतलब है कि इस प्लांट की क्षमता 40 गीगावॉट की होगी। बीते साल जुलाई महीने में टाटा ग्रुप ने ब्रिटेन में ईवी प्लांट की स्थापना करने की योजना बनाई थी। इस प्लांट से अगले 2 साल यानी 2026 तक वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने की संभावना है।

इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र में 40 लाख लोगों को मिलेगा रोजगार

नई दिल्ली ।

सेमीकंडक्टर भारत में उभरता हुआ क्षेत्र है और देश इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र में 40 लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार देना चाहेगा। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस कृष्णन ने यह जानकारी हाल ही में इंडिया डिजिटल समिट 2024 को संबोधित करते हुए दी। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर बड़ा क्षेत्र है। इस क्षेत्र में और ज्यादा कंपनियों के आने की संभावना है।` कृष्णन ने कहा कि फिलहाल देश में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र में 20 लाख से ज्यादा लोग कार्यरत हैं और देश को इस क्षेत्र में 40 लाख से अधिक कर्मचारियों की आवश्यकता हो सकती है। उन्होंने देश में 2 अरब डॉलर की डिजिटल अर्थव्यवस्था की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि डिजिटल अर्थव्यवस्था अगले कुछ वर्षों में वास्तव में बढ़ती रफ्तार के साथ विकसित होगी। भारत को दो अरब डॉलर की डिजिटल अर्थव्यवस्था की अत्यंत आवश्यकता है।

भारत को सेमीकंडक्टर क्षेत्र में ढाई लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले: मंत्री

- प्रधानमंत्री मोदी ने अगले कुछ वर्षों में विकसित भारत का लक्ष्य तय किया

पुणे । केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा है कि भारत ने पिछले दो वर्ष में सेमीकंडक्टर क्षेत्र में सरकार को वैश्विक चिप विनिर्माताओं से 2.50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स और प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री ने कहा है` कि पिछले 10 साल में भारत फ्रेजाइल फाइव से बाहर निकला है और आज दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। हाल ही में पुणे में आयोजित विकसित भारत एम्बैसडर मीट में चंद्रशेखर ने कहा कि भारत अपनी समावेशी नीतियों के मामले में दुनियाभर के देशों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया है। उन्होंने कहा` कि हम अपनी समावेशी नीतियों के संदर्भ में, कामकाज के संचालन में बदलाव और सरकारों को लोगों के लिए काम करने के तरीके के संदर्भ में दुनियाभर के देशों के लिए उम्मीद और प्रेरणा का स्रोत बन गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अगले कुछ वर्षों में विकसित भारत का लक्ष्य तय किया है। इस कार्यक्रम से पहले पत्रकारों से बात करते हुए चंद्रशेखर ने कहा कि 2022 में प्रधानमंत्री ने सेमीकंडक्टर नीति की घोषणा की थी और इसने तुरंत वैश्विक स्तर पर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा` कि आज भारत सरकार को वैश्विक सेमीकंडक्टर कंपनियों से 2.50 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। भारत तेजी से सेमीकंडक्टर राष्ट्र बन रहा है। दो साल पहले यह दुनिया के सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र में भी मौजूद नहीं था।

जीपीटी हेल्थकेयर का शेयर 16 फीसदी बढ़त पर सूचीबद्ध

नई दिल्ली । जीपीटी हेल्थकेयर लिमिटेड का शेयर गुरुवार को अपने 186 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 16 प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ सूचीबद्ध हुआ। जीपीटी हेल्थकेयर मध्यम आकार के मल्टी स्पेशियल्टी अस्पतालों का परिचालन करती है। बीएसई पर कंपनी के शेयर की शुरुआत 16.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 216.15 रुपये पर हुई। बाद में यह 18.11 प्रतिशत चढ़कर 219.70 रुपये पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी का शेयर 15.59 प्रतिशत की बढ़त के साथ 215 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 1,653.40 करोड़ रुपये पर था। जीपीटी हेल्थकेयर लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को सोमवार को निर्गम के अंतिम दिन 8.52 गुना अभिदान मिला था। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 177-186 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था।

सरकार का 2024-25 सत्र के लिए 3-3.2 करोड़ टन गेहूं खरीद का लक्ष्य

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने 2024-25 रबी विपणन सत्र के लिए गेहूं खरीद का लक्ष्य तीन से 3.2 करोड़ टन तय किया है। खाद्य मंत्रालय ने गुरुवार को यह जानकारी दी। सरकार के गेहूं खरीद के लक्ष्य को कुछ कम माना जा रहा है। कृषि मंत्रालय को फसल वर्ष 2023-24 जुलाई-जून में 11.4-11.5 करोड़ टन के रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन की उम्मीद है। इसके बावजूद सरकार द्वारा खरीद का लक्ष्य कम रखा गया है। बुधवार को नई` दिल्ली में केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा की अध्यक्षता में हुई बैठक में राज्यों के खाद्य सचिवों के साथ विचार-विमर्श के बाद यह लक्ष्य तय किया गया है। मंत्रालय ने कहा` कि विचार-विमर्श के बाद आगामी रबी विपणन सत्र 2024-25 के दौरान गेहूं की खरीद का अनुमान तीन से 3.2 करोड़ टन का तय किया गया है। गेहूं के अलावा मंत्रालय ने चावल के मामले में रबी धान खरीद का लक्ष्य 90 लाख से एक करोड़ टन तय किया है। सरकार ने रबी मोटे अनाज, बाजरा (श्रीअन्न) के लिए 6,00,000 टन का खरीद लक्ष्य भी निर्धारित किया है। बैठक में केंद्र ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से फसलों के विविधीकरण और आहार में पोषण बढ़ाने के लिए बाजरा की खरीद पर ध्यान केंद्रित करने को कहा है। सरकार ने 2023-24 के सत्र में 3.41 करोड़ टन के लक्ष्य के मुकाबले लगभग 2.62 करोड़ टन गेहूं की खरीद की थी। 2022-23 में गेहूं की खरीद 4.44 करोड़ टन के लक्ष्य के मुकाबले केवल 1.88 करोड़ टन थी। उत्पादन में गिरावट के कारण खरीद कम रही थी।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन वै श्विक बाजार से मिलेजुले संकेतों के बाद भी रिलायंस इंडस्ट्रीज और वित्तीय कंपनियों के शेयरों में आये उछाल से बाजार बढ़त पर बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 0.27 फीसदी करीब 195.42 अंक की बढ़त के साथ ही 72,500.30 पर बंद हुआ। इसी इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 0.14 फीसदी तकरीबन 31.65 अंक की बढ़त के साथ 21,982.80 पर बंद हुआ। निफ्टी की 32 कंपनियों के शेयर लाभ के साथ बंद हुए जबकि 18 के शेयरों में नुकसान हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में इंडसइंड बैंक का शेयर सबसे ज्यादा 1.81 फीसदी ऊपर आकर बंद हुआ। इसके साथ ही महिंद्रा एंड महिंद्रा, एशियन पेंट्स, नेस्ले इंडिया, पावर ग्रिड, मारुति, अल्ट्रा टेक, टाइटन, आईसीआईसीआई, रिलायंस इंडस्ट्रीज, कोटक बैंक और इन्फ़ोसिस सहित 22 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए।

वहीं दूसरी ओर टाटा मोटर्स का शेयर 0.73 फीसदी नीचे आया। इसके अलावा टीसीएस, आईटीसी, एचडीएफ़सी बैंक, बजाज फाइनेंस और टेक महिंद्रा के शेयर भी टूटकर बंद हुए।

इससे पहले आज सुबह बाजार के प्रमुख इंडेक्स हल्की बढ़त के साथ खुले हैं। बीएसई सेंसेक्स 72,350 के ऊपर कारोबार कर रहा था। वहीं एनएसई निफ्टी 50 में 21,900 पर कारोबार देखा गया। मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली कंपनी, दि वाल्ट डिजनी द्वारा भारत में 8.5 बिलियन डॉलर की मनोरंजन दिग्गज कंपनी बनाने के समझौते के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर 1 फीसदी से अधिक ऊपर चढ़े। इसी के साथ कंपनी के

शेयर टॉप गेनर बने। महिंद्रा एंड महिंद्रा, एसबीआई और टाइटन अन्य के शेयर भी ऊपर आये। दूसरी ओर पावर ग्रिड 1 फीसदी गिरकर 277 रुपये पर कारोबार करता दिखा। अल्ट्राटेक सीमेंट, नेस्ले और एनटीपीसी अन्य टॉप लूजर्स रहे। व्यक्तिगत शेयरों में, निफ्टी 50 में शामिल होने की खबर के बाद श्रीराम फाइनेंस में जोरदार तेजी आई। वहीं गत दिवस बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। वै श्विक बाजार से भी सुस्त संकेत देखने को मिल रहे हैं। स्ट्रेट्स टाइम्स के 0.4 फीसदी की बढ़त को छोड़कर एशियाई शेयर ज्यादातर लाल निशान में कारोबार करते दिखे।

कोस्पी में 0.7 फीसदी, निक्केई में 0.5 फीसदी और ताइवान में 0.2 फीसदी की गिरावट आई। प्रमुख मुद्रास्फीति रीडिंग से एक दिन पहले अमेरिकी बाजार में हल्की गिरावट देखने को मिली।

चीन से कंप्यूटरों के आयात में फिर हुआ इजाफा

नई दिल्ली ।

चीन से लैपटॉप और टैबलेट जैसे पर्सनल कंप्यूटरों के आयात पर नवंबर में` गिरावट देखी गई थी` किंतु दिसंबर में इसमें एक बार फिर उछाल आ गया और 11.3 फीसदी इजाफे के साथ 27.6 करोड़ डॉलर के कंप्यूटर चीन से भारत आए। दिलचस्प है कि वाणिज्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक उस महीने चीन से कुल माल आयात 0.8 फीसदी घटा है। दिसंबर में सिंगापुर और हांग कांग से लैपटॉप और टैबलेट का आयात घटा है। सिंगापुर से इनका आयात 66.1 फीसदी घटकर 1.16 करोड़ डॉलर और हांग कांग से 41.8 फीसदी घटकर 1.36 करोड़ डॉलर रहा। दिसंबर में इन वस्तुओं के कुल आयात में चीन की हिस्सेदारी बढ़कर 89.4 फीसदी हो गई, जो अप्रैल से दिसंबर, 2023 तक 76.4 फीसदी ही थी। सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर के आयात पर नजर रखने के लिए नवंबर में ऑनलाइन निगरानी व्यवस्था

शुरू की थी। उस महीने चीन से इन वस्तुओं के आयात में 14 फीसदी कमी आई, जबकि कुल आयात में 17 फीसदी गिरावट देखी गई। पिछले साल 3 अगस्त को सरकार ने लैपटॉप, टैबलेट, ऑल-इन-वन पीसी, अल्ट्रा-स्मॉल फॉर्म फैक्टर कंप्यूर तथा सर्वर जैसे आईटी हार्डवेयर उत्पादों को प्रतिबंधित श्रेणी में रखने की घोषणा की थी। इससे कारोबारियों को डर लगा कि आयात के लिए लाइसेंस जरूरी कर दिया जाएगा। इसी कारण लैपटॉप और टैबलेट का आयात सितंबर में 41.8 फीसदी और अक्टूबर में 29.7 फीसदी बढ़ गया था। मगर उद्योग द्वारा गहरी चिंता जताए जाने के कारण फैसला 1 नवंबर तक के लिए टाल दिया गया। इस फैसले का मकसद चीन से आयात पर निर्भरता घटाना और भरोसेमंद आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करना था।

माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म कू से साझेदारी करेगी डेलीहंट: रिपोर्ट

नई दिल्ली । मीडिया फर्म डेलीहंट घरेलू माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म कू का अधिग्रहण करने के लिए बातचीत कर रही है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह बात कही गई। सूत्रों के मुता बिक इस सौदे को एक सप्ताह के भीतर अंतिम रूप दिया जा सकता है और इसमें शेयर-स्वैप समझौता शामिल है। वर्ष 2020 में स्थापित कू का स्वामित्व बेंगलुरु स्थित बॉम्बिनेट टेक्नोलॉजीज के पास है। कंपनी की स्थापना अप्रमेय राधाकृष्ण और मयंक बिदावतका ने की थी और इसे अक्सर एलन मस्क के एक्स का भारत संस्करण माना जाता है। डेलीहंट ने इस पर तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की। पिछले साल सितंबर में बिदावतका ने कहा था कि कंपनी किसी ऐसे व्यक्ति के साथ साझेदारी करना चाहती है जिसके पास कू के यूजरों की संख्या बढ़ाने और इसे बढ़ने में मदद करने के लिए बड़े पैमाने पर वितरण शक्ति हो। एक पोस्ट में उन्होंने लिखा कि कू के लिए अगला चरण पैमाने का निर्माण करना है और यह या तो फंडिंग के साथ या किसी ऐसे व्यक्ति के साथ रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से होगा जिसके पास पहले से ही स्केल है। पिछले साल अप्रैल में कू ने कहा था कि उसने मौजूदा वैश्विक मंदी के बीच वर्ष के दौरान अपने 30 प्रतिशत कार्यबल की छंटनी की है।

हीरो मोटोकॉर्प ने बाइक निर्यात में दर्ज की 74.52 प्रतिशत की वृद्धि

-विदेशियों पर भी चढा भारतीय कंपनी की बाइक्स का जादू

नई दिल्ली ।

भारतीय मोटरसाइकिल निर्माताओं का एक बड़ा बाजार देश के बाहर भी बन गया है। अगर बात करें मोटरसाइकिलों के एक्सपोर्ट की तो पिछले महीने हीरो मोटोकॉर्प ने मोटरसाइकिल निर्यात में 74.52 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज कराई है। कंपनी ने पिछले महीने 12,658 यूनिट मोटरसाइकिलों का निर्यात किया। बता दें कि जनवरी 2023 में कंपनी ने केवल 7,253 यूनिट्स का एक्सपोर्ट किया था। हीरो की एक्सपोर्ट होने वाली मोटरसाइकिलों में एचएफ डीलक्स की सबसे ज्यादा डिमांड देखी गई। जनवरी 2024 में इसकी डिमांड जनवरी 2023 में बेची गई 2,448 यूनिट से लगभग 90 प्रतिशत बढ़कर 4,638 यूनिट्स हो गई। हीरो एचएफ डीलक्स वर्तमान में कंपनी की सबसे ज्यादा एक्सपोर्ट होने वाली मोटरसाइकिल है। यह बाइक निर्यात में 36.64 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखती है। पिछले महीने यानी जनवरी 2024 में हीरो हंक का निर्यात 116.13 प्रतिशत बढ़कर 3,551 यूनिट हो गया। वहीं, स्प्लेंडर का निर्यात 13.64 प्रतिशत घटकर 1,672 यूनिट रह गया। हीरो ग्लैमर की बिक्री 140.18 प्रतिशत बढ़कर 1,614 यूनिट हो गई। वहीं एक्सपल्स 200 की बिक्री 55.72 प्रतिशत बढ़कर 735 यूनिट हो गई। जनवरी 2024 की निर्यात लिस्ट में मेस्ट्रो 260 यूनिट, प्लेजर 96 यूनिट, पैशन 90 यूनिट और करिज्मा 2 यूनिट शामिल है। हीरो मोटोकॉर्प ने हाल ही में अपनी सबसे पॉवरफुल बाइक मैवरीक 440 को लॉन्च किया है। यह बाइक नेकेड रोडस्टर डिजाइन की है जिसे कंपनी ने हार्ले डेविडसन के साथ मिलकर विकसित किया है। कंपनी ने इसे प्रीमियम कम्यूटर सेगमेंट में पेश किया है। इसकी कीमत 1.99 लाख रुपये की एक्स-शोरूम तय की गई है। इस कीमत पर उपलब्ध यह सबसे सस्ती 400सीसी की मोटरसाइकिल भी है। हीरो मोटोकॉर्प ने इस बाइक की डिलीवरी 15 अप्रैल 2024 से शुरू करने की घोषणा की है। बता दें कि भारतीय मोटरसाइकिल कंपनियों का दबदबा केवल भारत में ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में है। कई कंपनियां भारत से मोटरसाइकिलों को दुनियाभर में एक्सपोर्ट करती हैं।

कमर्शियल वाहनों की बिक्री सात फीसदी तक घटने की आशंका

नई दिल्ली ।

अगले वित्त वर्ष में घरेलू कमर्शियल वाहन की बिक्री सात फीसदी तक घटने की आशंका जताई जा रही है। बाजार के जानकारों का कहना है कि उच्च आधार प्रभाव की वजह से चार से सात प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है।

मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने कहा कि आम चुनावों से पहले आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण जनवरी-मार्च तिमाही में बुनियादी ढांचागत गतिविधियों में रुकावट के कारण बिक्री कम रह सकती है। एजेंसी ने कहा` कि अनुमान है कि वित्त वर्ष 2023-24 में घरेलू सीवी उद्योग की मात्रा में सालाना दो से पांच प्रतिशत की वृद्धि होगी। इसके बाद वित्त वर्ष 2024-25 में भी उद्योग की तीव्र वृद्धि का सिलसिला थमने की उम्मीद है जब बिक्री में चार से सात प्रतिशत की गिरावट आएगी।

इस संबंध में इक्रा रेटिंग्स की उपाध्यक्ष और सह-समूह प्रमुख किंजल शाह ने उम्मीद जताई कि कमर्शियल वाहनों की दीर्घकालिक मांग बरकरार रहेगी। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे पर पूंजीगत व्यय का सिलसिला कायम रहने, बुनियादी ढांचे, निर्माण, रक्षा और विनिर्माण गतिविधियों में निजी भागीदारी पर जोर कमर्शियल वाहन उद्योग के लिए लंबे समय तक सकारात्मक रहेगा। हालांकि निकट अवधि में आम चुनाव के कारण कुछ क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों में मामूली नरमी के बीच बिक्री उच्च आधार पर स्थिर रह सकती है।

900 लोगों को नौकरी से बाहर करेगा सोनी ग्रुप

नई दिल्ली।

वित्तीय संकट के चलते सोनी ग्रुप करीब 900 लोगों को नौकरी से निकालने जा रहा है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में इस खबर का दावा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी अमेरिका से लेकर एशिया तक अपने वीडियो-गेम डिविजन में करेगी। सोनी प्ले स्टेशन से लगभग 900 कर्मचारियों की नौकरी जाने की खबरें सामने आ रही हैं। इसके अलावा, कंपनी लंदन में एक स्टूडियो को भी बंद कर सकती है।

सोनी गेमिंग के सीईओ जिम रयान ने मंगलवार को कर्मचारियों को एक नोट के जरिए बताया कि कंपनी की सोनी इंटरएक्टिव एंटरटेनमेंट यूनिट अपने कर्मचारियों की संख्या में 8 प्रतिशत या लगभग 900 लोगों की कटौती कर रही है। उन्होंने बताया कि इस प्रक्रिया में सोनी के प्लेस्टेशन डिवाइस, साथ ही कई गेम डेवलपमेंट स्टूडियो शामिल हैं। रयान ने कहा कि बीते कुछ महीनों में उभरते आर्थिक परिदृश्य और कंपनी को भविष्य में आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार करने के लिए हमने ये कठिन फैसला लिया है।

कहा कि इस छंटनी का असर गेम मेकर इनसोम्नियाक, नॉटी डॉग और गुरिल्ला पर भी पड़ेगा। बता दें कि ये सोनी ग्रुप की सबसे सफल कंपनियां हैं, जिनमें स्पाइडर-मैन, द लास्ट ऑफ अस, होराइजन जैसी फिल्में बनी थीं। इस साल वीडियो गम इंडस्ट्री में लगभग 6,000 से अधिक लोगों की नौकरियां गई हैं। क्योंकि कोरोना महामारी के बाद से गेमिंग कंपनियों को खर्च में मंदी और बढ़ते इंटरेस्ट रेट का सामना करना पड़ा है।

सोना और चांदी की कीमतों में तेजी

- सोना 62,000, चांदी लगभग 69 हजार रुपए

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत गुरुवार के कारोबारी दिन तेजी के साथ हुई। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। चांदी के वायदा भाव अब इस तेजी के साथ 69 हजार रुपये से भी ऊपर आ गए हैं। बुधवार को भाव 69 हजार रुपये से नीचे चले गए हैं। सोने के वायदा भाव 62 हजार रुपये से ऊपर कारोबार कर रहा है। वहीं वै श्विक बाजार में इस समय सोने और चांदी के वायदा भाव में तेजी देखी जा रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 21 रुपये की तेजी के साथ 62,270 रुपये के भाव पर खुला और 31 रुपये गिरावट के साथ 62,280 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 338 रुपये की तेजी के साथ 69,041 रुपये के भाव पर खुला और 447 रुपये की तेजी के साथ 69,150 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै श्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,043.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,042.70 डॉलर था जो 2.10 डॉलर की तेजी के साथ 2,044.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव

22.67 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 22.63 डॉलर था। फिलहाल यह 0.07 डॉलर की तेजी के साथ 22.71 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

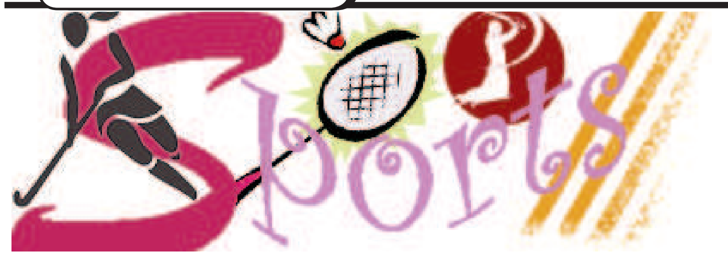

आरसीबी को रेणुका के कारण मिली शुरुआत दोनो मुकाबलों में जीतः सोफी

बेंगलुरू । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) की ऑलराउंडर सोफी मोलिन्यु ने तेज गेंदबाज रेणुका सिंह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि टीम की शुरुआती मैचों में जीत में रेणुका की अहम भूमिका रही है। सोफी के अनुसार रेणुका ने अब तक हुए दोनो ही मुकाबलों में शुरुआती विकेट लेकर पावर प्ले पर अपना नियंत्रण बनाया है। इसके अलावा रेणुका ने अपनी स्विंग गेंदबाजी से भी विरोधी टीमों को रन बनाने का अवसर नहीं दिया। आरसीबी की टीम अब चार अंक के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर चल रही है। वहीं मुंबई इंडियन्स के भी चार ही अंक हैं पर उसका रन रेट आरसीबी से कम है। आरसीबी का रन रेट प्लस 1.665 का है जो मुम्बई के प्लस 0.488 से बेहतर है और इसलिए वह शीर्ष पर बनी हुई है। आरसीबी ने रेणुका के दो विकेट की बदौलत ही गुजरात जाइंट्स को सात विकेट पर 107 रनों पर ही पर ही रोक दिया था। वहीं इसके बाद आरसीबी ने 12.3 ओवर में ही तय लक्ष्य हासिल कर दूसरा मुकाबला जीता। सोफी ने कहा , 'रेणुका ने दोनों मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया। वह काफी भरोसेमंद खिलाड़ी है और उसकी टीम में होना शानदार रहा है। वह शुरुआत से ही गेंद को खूबसूरती से स्विंग कराती है और मुझे लगता है कि उसने दोनों मुकाबलों में हमारी जीत के लिए माहौल तैयार किया।

एशियाई खेलों की विजेता पलक ने एयर पिस्टल ट्रायल के पहले दिन स्वर्ण जीता

भोपाल,

मौजूदा एशियाई खेलों की चैंपियन हरियाणा की पलक ने एमपी राज्य शूटिंग अकादमी रेंज में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल टी3 ट्रायल जीत लिया। राजस्थान के निशानेबाज अमित शर्मा, जिन्होंने पिछले साल दक्षिण कोरिया के चांगवोन में आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप में टीम रजत पदक जीता था, पुरुषों की एयर पिस्टल टी3 स्पर्धा में विजयी हुए। पलक ने महाराष्ट्र की शीतल प्रीतम देसाई की चुनौती पर काबू पा लिया, जिन्होंने पहले 581 के स्कोर के साथ क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल किया था। पलक ने 242 का स्कोर किया, जबकि शीतल 240.6 के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। स्टेटमेट सुरुचि तीसरे स्थान पर रहीं। दूसरी ओर, अमित ने फाइनल में 242.6 का स्कोर बनाकर सेना के श्रवण कुमार को पछाड़ दिया, जो 242.2 के स्कोर के साथ 0.4 से पीछे दूसरे स्थान पर थे। सेना से ही ओलंपियन गुरप्रीत सिंह 221.7 के साथ तीसरे स्थान पर रहे। श्रवण क्वालीफाइंग में सर्वश्रेष्ठ निशानेबाज थे, जो 586 के साथ हरियाणा के आदित्य मालरा के बराबर थे। लेकिन, 273 के मुकाबले आदित्य के 203 को शीर्ष स्थान के लिए पछाड़ दिया गया। अमित शर्मा ने 584 का स्कोर किया और क्वालीफिकेशन के बाद तीसरे स्थान पर रहे।

सरकार के मामले को हल करे बिना डब्ल्यूएफआई ट्रॉयल में भाग नहीं लेंगे : बजरंग

नई दिल्ली ।

संजय सिंह की अध्यक्षता वाले भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) द्वारा राष्ट्रीय ट्रायल के लिए आमंत्रित किये जाने पर पहलवान बजरंग पुनिया ने कहा है कि जब तक इस मामले में सरकार समाधान नहीं पेश करती हम इसमें भाग नहीं लेंगे। डब्ल्यूएफआई ने बजरंग के अलावा साक्षी मलिक और विनेश फोगाट को भी ट्रायल के लिए बुलाया है। वहीं डब्ल्यूएफआई ने विरोध कर रहे पहलवानों को किर्गिस्तान में 2024 पेरिस गेम्स क्वालीफायर सहित दो शीर्ष एशियाई प्रतियोगिताओं के लिए टीमों का चयन करने के लिए मार्च में ट्रायल में भाग लेने के लिए बुलाया है। बजरंग ने कहा, हमें नहीं पता कि डब्ल्यूएफआई में क्या हो रहा है। सरकार कुछ क्यों नहीं कर रही है? डब्ल्यूएफआई राज्य चुनाव करा रहा है, सरकारी पैसे का इस्तेमाल कर रहा है और खेल मंत्रालय द्वारा निलंबित किए जाने के बावजूद ट्रायल आयोजित कर रहा है। यह वास्तव में निराशाजनक बात है। यदि ट्रायल केवल डब्ल्यूएफआई के हाथों में है और सरकार कुछ नहीं करेगी, तो हम ट्रायल के लिए भी नहीं जाएंगे। साथ ही आरोप लगाया कि संजय सिंह अध्यक्ष बनने के बाद सभी नियमों को ताक पर रखकर काम कर रहे हैं। वहीं सरकार मौन बनी हुई है। ये बात समझ से परे है। इस महीने की शुरुआत में, यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) ने डब्ल्यूएफआई का निलंबन इस शर्त के साथ हटा दिया था कि तीन पहलवानों को अवसर दिया जाएगा और पूर्व राष्ट्रीय महासंघ प्रमुख बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ विरोध करने के लिए उनके साथ भेदभाव नहीं किया जाएगा।

बेयरस्टो धर्मशाला में अपना 100वां टेस्ट खेलेंगे : मैकुलम

धर्मशाला । इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा है कि बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो धर्मशाला टेस्ट खेलेंगे। इससे पहले अटकलें लगायी जा रहीं थीं कि खराब फार्म के चलते बेयरस्टो को अंतिम टेस्ट से बाहर किया जा सकता है पर मैकुलम ने इससे इंकार किया है। उनका कहना है कि बेयरस्टो भारत के खिलाफ पांचवां और अंतिम टेस्ट खेलेंगे। साथ ही कहा कि ये मैच उनके लिए इसलिए भी अहम रहेगा क्योंकि ये उनका 100वां मैच होगा। भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज का पांचवां और अंतिम टेस्ट 7 मार्च से खेला जाएगा। मैकुलम ने कहा, हां, वह अपना 100वां टेस्ट खेलेंगे। साथ ही कहा कि बेयरस्टो को भी मील का पत्थर बनना पसंद है। वह इससे पीछे नहीं हटेंगे। वह खेलेंगे। यह उनके लिए वास्तव में एक भावनात्मक पल होगा। हर कोई जानता है कि वह एक भावुक किस्म के व्यक्ति हैं। इस तरह के बड़े पड़ाव उसके लिए बहुत अहम स्थान रखते हैं। हम ये पल उसके साथ साझा करने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। गौरतलब है कि 99 टेस्ट और 176 पारियों में बेयरस्टो ने 36.42 की औसत से 5,974 रन बनाए हैं जिसमें 12 शतक और 26 अर्द्धशतक भी शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 167 रन रहा है। बेयरस्टो हालांकि इस सीरीज में नाकाम रहे और अब तक खेले गये चार टेस्ट और आठ पारियों में 21.25 की औसत से वह केवल 170 रन ही बना पाये हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर सिर्फ 38 रन है। मैकुलम ने यह भी कहा कि सीरीज हारने के बाद भी उनकी टीम 18 महीने पहले की तुलना में अब बेहतर स्थिति में पहुंच गयी है। बेन स्टोक्स की कप्तानी और मैकुलम के नेतृत्व में इंग्लैंड ने अबतक 22 टेस्ट मैचों में से 14 जीते हैं जबकि सात में उसे हार का सामना करना पड़ा है जबकि एक मैच ड्रॉ रहा है।

बीसीसीआई ने अंतिम टेस्ट के लिए भारतीय टीम घोषित की

बुमराह की वापसी , राहुल बाहर हुए

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने धर्मशाला में इंग्लैंड के खिलाफ सात मार्च से होने वाले पांचवे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम घोषित कर दी है। इस मैच के लिए तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की टीम में वापसी हुई है पर अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल चोटिल होने के कारण इस मैच में भी नहीं खेलेंगे। राहुल की दाहिनी जांघ की मांसपेशियों में दर्द है इसी कारण वह विशेषज्ञों ककी राय लेने के लिए लंदन गए हैं। राहुल ने इस सीरीज में केवल हैदराबाद में पहला मैच ही खेला था। बीसीसीआई ने कहा, राहुल को धर्मशाला में पांचवें और अंतिम टेस्ट से बाहर कर दिया गया है। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी बारीकी से जांच कर रही है। इसके साथ ही उनकी फिटनेस के प्रबंधन के लिए लंदन में विशेषज्ञों के साथ काम कर रही है।

इसी बीच टीम की कार्यभार प्रबंधन नीति के अनुरूप रांची में चौथे टेस्ट के लिए टीम से रिलीज किए गए बुमराह 7 मार्च से शुरू होने वाले अंतिम टेस्ट के लिए धर्मशाला में टीम के साथ जुड़ेंगे। रांची में चौथे टेस्ट में जीत के बाद भारतीय टीम ने पहले ही 3-1 की अजेय बढ़त ले ली है। अंतिम टेस्ट में राहुल के नहीं होने से रजत पाटीदार टीम में बने रहेंगे पर उन्होंने छह पारियों में केवल 63 रन ही बनाये है जिसके चलते उनका अंतिम टेस्ट में खेलना मुश्किल नजर आत है।

भारतीय टीम इस प्रकार है; रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उप कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुबमन गिल, रजत पाटीदार, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल विकेटकीपर , केएस भरत विकेटकीपर, देवदत्त पडिक्कल, आर अश्विन, रवींद्र जड़ेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव , मो. सिराज, मुकेश कुमार, आकाश दीप।

संक्षिप्त समाचार

न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया सीरीज के बाद अंतराष्ट्रीय स्तर पर अंपायरिंग करते नजर नहीं आयेंगे इरास्मस

वेलिंटन । दक्षिण अफ्रीकी अंपायर मराइस इरास्मस न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच जारी टेस्ट सीरीज के बाद अंतराष्ट्रीय स्तर पर अंपायरिंग को अलविदा कह देंगे हालांकि वह घरेलू क्रिकेट में इसे जारी रखेंगे। इरास्मस ने अपने संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि अब वह कुछ और करना चाहते हैं। तेज गेंदबाजी ऑलराउंर से अंपायर बने इरास्मस साल 2006 में वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अंपायरिंग के क्षेत्र में उतरे थे। उन्होंने 80 टेस्ट, 124 एकदिवसीय और 43 टी20आई मैचों में अंपायरिंग की है। इसके अलावा महिला क्रिकेट में भी 18 टी20आई में उन्होंने अंपायर की भूमिका निभाई है। इसी के साथ ही वह 131 पुरुष अंतर्राष्ट्रीय मैचों में टीवी अंपायर भी रहे हैं। इरास्मस ने संन्यास को लेकर कहा, मैं इसमें मिले सम्मान और कई जगहों की यात्राओं को याद करूंगा पर मैं अब अपने कम्फर्ट जोन से बाहर रहना नहीं चाहता हूं। मुझे लगता है कि जो मैं देख रहा हूं यह उससे काफी बोरिंग है। मैंने पिछले साल अक्तूबर में विचार किया और मैंने आईसीसी से इस बारे में कहा कि मैं अप्रैल में अपना अनुबंध समाप्त करना चाहता हूं। गौतलब है कि इरास्मस ने साल 2016, 2017 और 2021 में आईसीसी अंपायर ऑफ द ईयर का खिताब भी जीता था। इससे वह रिचर्ड केटलबोरो, अलीम डार और साइमन टफेल जैसे अंपायरों में शामिल हो गये। वह 2010 से अंपायरों के आईसीसी एलीट पैनल में शामिल हुए थे। संन्यास के बाद की अपनी योजनाओं को लेकर इराम्मस ने कहा, मेरे पास देश की यात्रा के लिए कुछ योजनाएं हैं। सितम्बर के बाद से मैं क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के साथ रहूंगा। अभी हमें यह तय करना है कि वह मेरा इस्तेमाल कैसे करते हैं। मैं अगले सत्र में घरेलू क्रिकेट में अंपायरिंग करूंगा और सलाहकार की भूमिका निभाऊंगा।

रोनाल्डो पर एक मैच का प्रतिबंध लगा

रियाद । स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो को सउदी प्रो लीग मुकाबले में अश्लील संकेत करना भारी पड़ा है। रोनाल्डो के इस कदम को आपत्तिजनक मानते हुए उनपर प्रतिबंध के साथ ही जुर्माना भी लगाया गया है। रोनाल्डो को करीब पांच हजार डॉलर विरोधी टीम अल शबाब को और आधी राशि सउदी अरब फुटबॉल महासंघ को भी जुर्माने के तौर पर देनी होगी। रोनाल्डो पर अल नासर क्लब की ओर से खेलते हुए एक मैच में विरोधी टीम अल शबाब टीम के खिलाड़ियों पर आपत्तिजनक संकेतों के लिए एक मैच का प्रतिबंध लगाया गया है। अल नासर ने स्थानीय प्रतिद्वंद्वी अल शबाब को इस मैच में 3-2 से हराया जिसके बाद रोनाल्डो ने विरोधी टीम के समर्थकों को देखकर अभद्र संकेत किये। दर्शक इस दौरान उनके प्रतिद्वंद्वी स्टार लियोनेल मेसी का नाम ले रहे थे और माना जा रहा है कि रोनाल्डो इससे भड़क गये थे। इस मामले में भारी विरोध को देखते हुए सउदी अरब फुटबॉल महासंघ की अनुशासन और नैतिकता समिति ने सोशल मीडिया पर रोनाल्डो के निलंबन की घोषणा की। अल नासर को अगले मैच में अल हजम से खेलना है और इसमें उसे अब इस स्टार खिलाड़ी के बिना ही उतरना होगा।

ग्रीन के शानदार शतक से ऑस्ट्रेलिया ने बनाये 279/9

मेजबान टीम के हेनरी ने लिए चार विकेट

ऑकलैड । कैमरन ग्रीन के शानदार शतक से ऑस्ट्रेलिया ने मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के पहले दिन अपनी पहली पारी में 9 विकेट पर 279 रन बनाये। ग्रीन ने इस मैच में 103 रनों की पारी खेली। इस मैच में मेजबान न्यूजीलैंड ने मैट हेनरी की धातक गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया की आधी टीम को 112 रनों पर ही समेट दिया। इसके बाद ग्रीन ने एक छोर संभाला और कीवी टीम को कोई अवसर नहीं दिया। मेजबान टीम की ओर से हेनरी ने चार विकेट लिए। इस मैच में मेजबान न्यूजीलैंड के कप्तान टिम साउदी ने टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलियाई टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। उनका फैसला सही साबित होता दिख रहा था पर ग्रीन ने उसपर पानी फेर दिया। ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत अच्छी रही और उसने लंच तक सिर्फ एक विकेट गंवाकर 62 रन बना लिए। उस्मान ख्वाजा 33 और स्टीव स्मिथ 31 रनों पर खेल रहे थे। इसके बाद मध्यक्रम के धवस्त होने से टीम मुश्किल में फंस गयी। ऑस्ट्रेलिया ने इसके बाद 3 विकेट और खो दिये। ऑस्ट्रेलिया ने लंच से पहले स्टीव स्मिथ का विकेट खोया और दूसरे सत्र में उस्मान ख्वाजा, मार्नर लैबुशेन 1 और ट्रेविस हेड 1 पेवेलियन लौटे। खेल के तीसरे सत्र में जहां ऑस्ट्रेलिया ने तेजी से रन बनाए पर उसके विकेट भी गिरे। इस सत्र में ग्रीन ने जहां एक छोर पर टिके रहे। वहीं दूसरे छोर से मिचेल मार्च ने 39 गेंदों पर ही 40 रन बना दिए। मार्श के आउट होने के बाद एलेक्स कैरी 10, मिचेल स्टार्क 9 और पैट कमिंस 16 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। इसके बाद भी ग्रीन जमे रहे। उन्होंने नाथन लायन 6 के आउट होने के बाद जोश हेजलवुड के साथ मिलकर पारी आगे बढ़ाई और अपना शतक भी पूरा किया। इससे ऑस्ट्रेलियाई टीम एक सम्मानजनक स्कोर बनाने में सफल रही।

इरफान पठान ने ईशान और अय्यर को केन्द्रीय अनुबंध से बाहर करने पर सवाल उठाये

क्या पंड्या पर भी घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने के लिए होगी कार्रवाई ?

मुम्बई ।

भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान ने बीसीसीआई के केन्द्रीय अनुबंध से ईशान किशन और श्रेयस अय्यर को बार किये जाने पर नाराजगी जतायी है। पठान ने कहा कि घरेलू क्रिकेट की उपेक्षा के आरोप में इन दोनो को बाहर किया गया है पर ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या भी घरेलू क्रिकेट से दूर है लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गयी है। साथ ही कहा कि पंड्या जैसे अनुभवी खिलाड़ी ने भी सीमित ओवरों के क्रिकेट को प्राथमिकता दी है और उन्हें भी राष्ट्रीय टीम की ओर से नहीं खेलने के कारण घरेलू सफेद गेंद प्रतियोगिताओं में खेलने के लिए कहा जाना चाहिए। इरफान ने ये बात इसलिए कही है क्योंकि पंड्या फिटनेस के नाम पर राष्ट्रीय टीम से बाहर है पर आईपीएल खेलने की तैयारी में लगे हुए हैं। उन्होंने इस दौरान घरेलू क्रिकेट भी नहीं खेला। पंड्या ने सितंबर 2018 से टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है और अपने जवाब में कहा है कि उनका चोटिल शरीर उन्हें खेल के सबसे लंबे प्रारूप के बारे में सोचने की अनुमति नहीं देता है। ईशान और श्रेयस के पास पिछले साल सी और बी ग्रेड अनुबंध थे पर 2023-24 सीज़न के लिए उन्हें शामिल नहीं किया गया है। हार्दिक ने बांग्लादेश के खिलाफ विश्व कप 2023 मैच में चोट लगने के बाद से भी भारतीय टीम की ओर से नहीं खेला है। इसके बाद भी उनका ए श्रेणी का अनुबंध बरकरार रखा गया है। पठान ने कहा, श्रेयस और ईशान प्रतिभाशाली क्रिकेटर हैं। उम्मीद है कि वे वापसी करेंगे और मजबूती से वापसी करेंगे। अगर हार्दिक जैसे खिलाड़ी लाल गेंद क्रिकेट नहीं खेलना चाहते हैं, तो क्या उन्हें और उनके जैसे अन्य लोगों को सफेद गेंद वाले घरेलू क्रिकेट में भाग लेना चाहिए जब वे ऐसा कर रहे हों। क्या आप राष्ट्रीय कर्तव्य पर नहीं हैं? साथ ही कहा कि यदि बीसीसीआई का नियम सभी पर लागू नहीं होता है, तो भारतीय क्रिकेट वांछित परिणाम प्राप्त नहीं कर पाएगा। ईशान ने इस सप्ताह की शुरुआत में पुणे में चल रहे डीवाई पाटिल टी20 कप में नवंबर 2023 के बाद से ही पहली बार प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलने के लिए लौटे।

महिला प्रीमयर लीग में जबरन मैदान में घुस आये व्यक्ति को एलिसा ने रोका

बेंगलुरु । यहां खेले जा रहे महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2024 के छठे मैच में एक व्यक्ति के अचानक प्रवेश से हंगामा मच गया। ये व्यक्ति सुरक्षा घेरे को तोड़कर जबरदस्ती मैदान में घुस आया था पर यूपी वारियर्स की कप्तान एलिसा हीली ने किसी प्रकार उसे पिच की ओर बढ़ने से रोक दिया। यह मामला यूपी वारियर्स और मुंबई इंडियंस के बीच गत दिवस हुए मैच का है। इसमें मुंबई की पारी के अंतिम ओवर में एक दर्शक सुरक्षा में सेंध लगाकर मैदान पर घुस गया, जिसके कारण मैच थोड़ी देर के लिए रोकना भी पड़ा। उस समय विकेटकीपिंग कर रही एलिसा ने उस व्यक्ति को किसी प्रकर रोक दिया। उन्हें लगा कि वो पिच को नुकसान पहुंचाएगा, जिसके बाद उन्होंने इस दर्शक को पकड़कर अलग कर दिया। इस घटना के बाद एलिसा ने 29 गेंदों पर 33 रन बनाए और किरण नवगिरे के साथ 94 रन की शुरुआती साझेदारी करते हुए यूपी वारियर्स को 16.3 ओवर में 162 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मौजूदा टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दिलाई।

सहवाग और पीटर की शानदार बल्लेबाजी से मुंबई चैंपियंस जीती वेटरन प्रीमियर लीग

ग्रेटर नोएडा ।

यहां जारी इंडियन वेटरन प्रीमियर लीग में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने आक्रामक पारी खेलकर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। सहवाग ने सुरेश रैना की टीम वीवीआईपी उत्तर प्रदेश की ओर से खेलते हुए आक्रामक पारी खेली। आईवीपीएल के इस मुकाबले में इंग्लैंड के पूर्व खिलाड़ी पीटर ट्रेगो ने भी वीवीआईपी की ओर से अच्छा प्रदर्शन किया। पीटर और सहवाग की बल्लेबाजी से मुंबई चैंपियंस ने वीवीआईपी उत्तर प्रदेश को 8 विकेट से हराया। वीवीआईपी उत्तर प्रदेश ने इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 176 रन बनाए। उत्तर प्रदेश की ओर से अंशुल कपूर ने नाबाद 87 रन बनाये। इस पारी में उन्होंने 7 चौके और 4 छक्के लगाया। अंशुल के अलावा रोहित श्रीवास्तव ने भी 22 गेंद पर 30 और पुनीत बिष्ट ने 12 गेंद पर 26 रन बनाये। इसकी सहायता से उत्तर प्रदेश ने 176 पर बनाये। वहीं मुंबई चैंपियंस की ओर से पीटर ट्रेगो और अफरोज खान ने 2-2 विकेट लिए। इन दोनों के अलावा अमित सनन और विनय यादव को भी एक-एक विकेट मिला। .

इसके बाद जीत के लिए मिले 177 रनों के लक्ष्य को मुंबई चैंपियंस को 19 ओवर में ही आसानी से दो विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। मुम्बई की ओर से अभिषेक झुनझुनवाला ने 38 गेंदों पर नाबाद 69 रन बनाये। वहीं पीटर ने 29 गेंदों पर नाबाद 41 रन बनाए। इस मैच का आकर्षण सहवाग की 23 गेंद पर 35 रन की पारी रही। सहवाग और मोनू कुमार ने अपनी टीम की ओर से अच्छी शुरुआत करते हुए 63 रनों की शुरुआती साझेदारी की

इसके बाद अन्य बल्लेबाजों ने भी रन बनाकर टीम को जीत दिलादी। मुंबई चैंपियंस की टीम अब शुक्रवार को राजस्थान लेजेंड्स से खेलेगी।

आईपीएल 2024 के लिए मार्च के पहले सप्ताह में शुरु होगी टिकट बिक्री

मुम्बई । 22 मार्च से शुरु हो रहे आईपीएल 2024 का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार आईपीएल के लिए टिकटों की बिक्री मार्च के पहले सप्ताह में शुरु होगी। टिकटें ऑनलाइन बुक होंगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) हालांकि अभी तक टिकटों की बिक्री को लेकर कोई आधिकारिक कार्यक्रम की घोषणा नहीं की है। अब तक मिली जानकारी के अनुसार इसके लिए क्रिकेट प्रशंसक आईपीएल वेबसाइट, बुकमायशो या पेटीएम इनसाइडर पर जा सकते हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के लिए टिकटों की कीमतें सीटों के प्रकार, मैच की लोकप्रियता और स्थल जैसे विभिन्न कारकों के आधार पर तय की जाएंगी। कीमतें सौ से लेकर कई हजार रुपए तक होंगी। जिससे सभी लोग इन मैचों का आनंद उठा सकें। इससे पहले बीसीसीआई ने आईपीएल 2024 के शुरुआत दिनों का कार्यक्रम जारी कर दिया है। बीसीसीआई के अनुसार लीग मुकाबले 22 मार्च से शुरु होंगे। बोर्ड ने लोकसभा चुनावों के कारण 7 अप्रैल तक के लिए कार्यक्रम जारी किए हैं। इसके बाद का कार्यक्रम चुनाव की तारीखें घोषित करने के बाद घोषित किया जाएगा। गत विजेता चेन्नई सुपर किंग्स 22 मार्च को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ अपना शुरुआती मुकाबला खेलेगी। 17 दिनों में देश के 10 अलग-अलग स्थानों पर आईपीए के शुरुआती दिनों के मुकाबले खेले जाएंगे।

बारडोली के सांकरी में जिला पंचायत शिक्षा द्वारा संचालित प्राथमिक विद्यालय के मेधावी विद्यार्थियों का जिला पंचायत अध्यक्ष भवानीबेन पटेल ने सम्मान किया

सूरत । जिला पंचायत सूरत द्वारा आयोजित सूरत जिला पंचायत शिक्षा प्रबंधित प्राथमिक विद्यालय के प्रतिभाशाली छात्रों को बारडोली तालुका के बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर, सांकरी में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती भाविनीबेन पटेल की उपस्थिति और जिला विकास अधिकारी की प्रेरक उपस्थिति में सम्मानित किया गया। श्रीमती शिवानी गोयल. सूरत जिले के प्राथमिक विद्यालय के प्रथम सेमेस्टर में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले 324 विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं प्रोत्साहन पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि पढ़ा-लिखा व्यक्ति समाज में अपनी अलग पहचान बनाता है। संस्कार और शिक्षा ही उसके व्यक्तित्व को आकार देते हैं, इसलिए विद्यार्थियों को लगातार अपनी पढ़ाई पर ध्यान देना चाहिए। सुदूरवर्ती क्षेत्रों के बच्चे शिक्षा से वंचित न रहें, इसके लिए सरकार ने कई शैक्षणिक योजनाएं लागू की हैं। जिला पंचायत ने स्मार्ट स्कूल बनाने के लिए 5 लाख की ग्रांट को बढ़ाकर 50 लाख करने का निर्णय लिया है। स्मार्ट स्कूल के माध्यम से विद्यार्थियों को स्मार्ट शिक्षा मिलेगी।

इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी शिवानी गोयल ने कहा कि विद्यार्थियों को प्रधानमंत्री के 2047 तक विकसित भारत बनाने के सपने को साकार करने के लिए स्व-दान करने का भी संकल्प लेना चाहिए। यदि विद्यार्थी अपनी पढ़ाई पर पूरा ध्यान केंद्रित करके मेधावी और सक्षम बनेंगे तो देश भी मजबूत और विकसित बनेगा। सरकार ने विद्यार्थियों के लिए कई शिक्षा उन्मुख योजनाएं लागू की हैं, जिनका लाभ उठाने के लिए विद्यार्थियों को जागरूक होना चाहिए।

उन्होंने छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए आगे कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए एक लक्ष्य निर्धारित करें. अगर लक्ष्य तय है तो आपको उसे हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करने की ताकत मिलेगी. विद्यार्थियों को अनुशासन और समय प्रबंधन की आवश्यकता है। यदि आपके पास 24 घंटे का समय प्रबंधन है तो आप निर्धारित लक्ष्य तक आसानी से पहुंच सकते हैं। यदि आप नैतिकता के साथ अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो आप सिविल सेवा परीक्षा उत्तीर्ण कर सकते हैं और आईपीएस, आईएएस बन सकते हैं। विद्यार्थियों को मोबाइल का प्रयोग सोच-समझकर करना चाहिए, हो सके तो मोबाइल, सोशल मीडिया के प्रयोग से पूरी तरह बचें। उन्होंने कहा, च्आईएएस बनने तक मैंने मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं किया, जिससे मैं अपनी पढ़ाई पर पूरा ध्यान दे सका।" इस अवसर पर जिला शिक्षा समिति अध्यक्ष भारतीबेन राठौड़, जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी जयेशभाई पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष जीतेंद्रभाई पटेल, पूर्व जिला अध्यक्ष भावेशभाई पटेल, सत्तारूढ़ दल के नेता रावजीभाई वसावा, स्वास्थ्य समिति अध्यक्ष रोशन पटेल, शिक्षा समिति सदस्य सर्वश्री जिनेशभाई भावसार, चेतनाबेन पटेल, दीपिकाबेन पटेल, सीताबेन राठौड़, अग्रणी केतन देसाई, प्रेमकुमार गोस्वामी सहित शिक्षक, बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित थे।

सुपर फूड बाजरा को बढ़ावा देने के लिए राज्य की 8 नगर पालिकाओं में 'बाजरा महोत्सव' आयोजित किया जाएगा: कृषि मंत्री राघवजी पटेल

सूरत । कृषि मंत्री श्री राघवजी पटेल ने कहा है कि भारत के पारंपरिक मोटे अनाज (श्रीअन्ना) को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र भाई मोदी ने पूरे विश्व में बढ़ावा दिया है. मानव स्वास्थ्य के लिए आवश्यक पोषक तत्वों के महत्व के बारे में जन जागरूकता पैदा करने के लिए, राज्य सरकार ने दिनांकित किया 1 से 3 मार्च, 2024 तक तीन दिवसीय च्बाजरा महोत्सवज्ज का आयोजन किया गया है।

ठीक होकर गांधीनगर पहुंचने और अस्पताल से छुट्टी मिलने के तुरंत बाद कृषि मंत्री एक बार फिर जन कल्याण के काम में जुट गए हैं. राज्य सरकार द्वारा आयोजित बाजरा महोत्सव के बारे में जानकारी देते हुए मंत्री ने कहा कि 'मिलेट महोत्सव' सभी आठ नगर निगमों अर्थात् अहमदाबाद, गांधीनगर, वडोदरा, राजकोट, सूरत, जामनगर, भावनगर और जूनागढ़ में आयोजित किया जाएगा ताकि रहने वाले नागरिक गुजरात के बड़े शहरों में श्रीअन्ना का महत्व समझ सकते हैं। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के सुझाव पर वर्ष 2023 को पूरी दुनिया में अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष के रूप में मनाया गया। मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्रभाई पटेल के नेतृत्व में 2023-24 में 'बाजरा विकास योजना' लागू की गई।

उन्होंने कहा कि बाजरा महोत्सव के अवसर पर किसानों को श्रीअन्ना फसल लगाने और उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करने के लिए इस योजना के तहत तालुका स्तर पर च्बाजरा एक्सपोज का भी आयोजन किया गया है। अधिक जानकारी देते हुए मंत्री ने कहा कि नगर पालिकाओं में आयोजित बाजरा महोत्सव में बाजरा के खेत से लेकर फोर्क थीम मंडप, बाजरा के बेस फूड उत्पाद, रेडी टू कुक और रेडी टू ईट बाजरा के उत्पादों सहित हस्तशिल्प स्टॉल और बाजरा के नवीन व्यंजनों के लाइव फूड काउंटर लगाए गए हैं। नागरिकों के लिए व्यवस्था की गई। कृषि विभाग द्वारा आयोजित बाजरा महोत्सव में उपस्थित होकर नागरिक स्वस्थ एवं पौष्टिक जीवन के लिए अपने दैनिक आहार में मोटा अनाज शामिल करने के लिए प्रेरित होंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि इससे किसानों की आजीविका बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

जिला कलेक्टर डॉ. सौरभ पारधी की अध्यक्षता में सेंट 10 एवं 12 के लिए 'जिला परीक्षा समिति' की बैठक आयोजित की गई

सूरत। बोर्ड परीक्षाओं के संबंध में शिक्षा मंत्री डॉ. कुबेरभाई डिंडोर की अध्यक्षता और शिक्षा राज्य मंत्री श्री प्रफुल्लभाई पानशेरिया की उपस्थिति में सभी जिला कलेक्टरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जिला परीक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई. कक्षा 10 और 12 (सामान्य और विज्ञान स्ट्रीम) 11 मार्च से शुरू हो रही हैं। जिसमें जिला कलेक्टर डॉ. सौरभ पारधी, निवासी अतिरिक्त कलेक्टर श्री विजय रबारी और जिला शिक्षा अधिकारी भागीरथ सिंह परमार, सूरत जिला सेवा सदन से डी.सी.पी. हेतल पटेल सहित उच्चाधिकारी शामिल हुए। बैठक में बोर्ड परीक्षा के संबंध में यातायात प्रबंधन, परीक्षा केंद्रों पर बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं सहित सभी पूर्व तैयारियों पर चर्चा की गई।

वीडियो कॉन्फ्रेंस के बाद सूरत जिला परीक्षा समिति की बैठक में कलेक्टर श्री डॉ.सौरभ पारधी ने परीक्षा के दौरान गर्मी के माहौल को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग से ग्रामीण और शहरी प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर एहतियात के तौर पर आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाओं की व्यव-स्था करने का अनुरोध किया। साथ ही शहर में मेट्रो के संचालन के कारण उत्पन्न होने वाली ट्रैफिक समस्या का जिक्र करते हुए पुलिस व्यवस्था को सुचारू व्यवस्था करने को कहा ताकि बच्चे समय पर परीक्षा केंद्रों तक पहुंच सकें।

जिला शिक्षा अधिकारी भागीरथ सिंह परमार ने परीक्षा की तैयारी के तहत की गई सुव्यवस्थित योजना का विवरण दिया। उन्होंने राज्य सरकार के PATA (पेपर बॉक्स ऑथेंटिकेशन एंड ट्रेसिंग एप्लिकेशन) मोबाइल ऐप के बारे में भी जानकारी दी, जो पेपर सुरक्षित रूप से परीक्षा स्थल तक पहुंचने तक हर चरण की जानकारी प्रदान करता है।

बैठक में विभिन्न विभागों के कर्मचारी/अधिकारी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर दीपदर्शन विद्या संकुल में बच्चों ने प्रस्तुत किया विभिन्न विज्ञान परियोजना

सुरत भुमि, सूरत । शिक्षा जगत में निरंतर कार्यरत एवं जीवन मूल्यों की नींव को सींचने वाले विद्यालय दीपदर्शन विद्या संकुल सीबीएसई में विज्ञान मेले का भव्य एवं सुंदर आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय की नर्सरी के छोटे-छोटे बच्चों द्वारा विज्ञान परियोजना का सुंदर प्रदर्शन प्रस्तुत किया गया। जिसमें नन्हे-मुन्ने बालकों द्वारा अपनी अद्वितीय प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न विज्ञान परियोजनाओं का सुंदर प्रदर्शन प्रस्तुत किया गया जिसमें विद्यालय प्रबंधक श्री दशरथ भाई पटेल, प्राचार्या श्री सपना राजपूत एवं समस्त शिक्षण स्टाफ एवं विद्यार्थियों द्वारा उनका उत्साहवर्धन किया गया।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों में छिपी हुई शक्तियों का विकास करना तथा बच्चों में आत्मविश्वास जागृत करना था, इसलिये यह कार्यक्रम बड़े उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ।

फाल्गुन महोत्सव में होंगे अनेकों कार्यक्रम

सुरत भुमि, सूरत। श्रृंगार मित्र मंडल द्वारा हर वर्ष की तरह इस बार भी फाल्गुन महोत्सव वेसू स्थित श्रृंगार रेजीडेंसी में मनाया जायेगा। इस मौके पर भजन संध्या, विशाल निशान यात्रा सहित अनेकों कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। आयोजन में शनिवार, 2 मार्च को विशाल भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर बाबा श्याम का भव्य दरबार सोसायटी के गार्डन में सजाया जायेगा। श्रृंगारित दरबार के समक्ष शाम सात बजे से अखंड ज्योत प्रज्वलित की जाएगी। भजन संध्या में सोनभद्र से आमंत्रित संजीव शर्मा एवं संबलपुर से आमंत्रित शुभंगी सोनी भजनों की प्रस्तुति देंगे। आयोजन में छप्पन भोग, इत्र फुहार, महाप्रसाद, बाबा का ख़ज़ाना, फूलों की होली आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा।

फाल्गुन महोत्सव में रविवार, 3 मार्च को विशाल निशान यात्रा का आयोजन किया जाएगा। निशान यात्रा सोसायटी से रवाना होकर वीआईपी रोड स्थित श्याम मंदिर जाएगी, जहाँ सभी बाबा श्याम को निशान अर्पण करेंगे। यात्रा के दौरान स्थानीय गायक कलाकार पूरण शर्मा भजनों की प्रस्तुति देंगे।

लीप वर्ष के अवसर पर गौ सेवा की

सुरत भुमि, सूरत। अग्रवाल विकास ट्रस्ट युवा शाखा द्वारा लीप वर्ष के अवसर पर गौ सेवा का आयोजन किया गया। इस मौक़े पर युवा शाखा के सदस्य नवसारी स्थित लड्डू गोपाल गौशाला जाकर गौ माता को चारा, लापसी, गाजर आदि खिलाया। आयोजन में युवा सदस्यों ने गौ माता की जयकार की। इस मौक़े पर युवा शाखा के अनेकों सदस्य उपस्थित रहें।

आहार विशेषज्ञ बता रहे हैं 3 ऐसे फूड्स के बारे में जिन्हें डायबिटीज मरीजों को अपने रोजाना के भोजन में जरूर शामिल करना चाहिए

आनुवांशिकता, खानपान में बदलाव और तेजी से बदलती जीवनशैली कुछ ऐसे कारण हैं, जिसकी वजह से भारत में टाइप-2 डायबिटीज चिंता का कारण बनता जा रहा है। लैंसेट डायबिटीज एंड एंडोक्राइनोलॉजी में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, साल 2030 तक भारत में 9.8 करोड़ लोग टाइप-2 डायबिटीज से पीड़ित होंगे। खाद्य पदार्थों तथा पोषण के बारे में उपलब्ध ढेर सारी जानकारियों के साथ, यह समझना बेहद जरूरी है कि हर सलाह आप पर किस तरह लागू होगी और सही मायने में आपके लिए क्या फायदेमंद है। यहां तीन ऐसे ही खाद्य पदार्थों के बारे में बताया गया है जोकि डायबिटीज का बेहतर नियंत्रण कर सकते हैं।

बादाम

मुट्ठीभर बादाम का सेवन करने से टाइप-2 डायबिटीज पीड़ितों में तत्काल और आगे भी ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है। बादाम को अपने आहार में शामिल करने से अचानक ब्लड शुगर के स्तर के बढ़ने से बचाव करने में मदद मिलती है। यह रक्तधारा में ग्लूकोज को रिलीज करने की गति को काम करते हुए ऐसा करता है। बादाम में मोनोसैचुरेटेड फैटी एसिड तत्व के होने की वजह से यह होता है।

टाइप-2 डायबिटीज का नियंत्रण करने की कोशिश कर रहे लोगों को भी बादाम सहायता पहुंचा सकता है, जिसके परिणामस्वरूप तेजी से कैलोरी बर्न होने लगती है। इस मेटाबॉलिक बूस्ट की वजह से बादाम के पोषक तत्वों की प्रोफाइल भी बेहतर होती है, जिसमें शामिल है फाइबर, फोलेट तथा विटामिन ई जैसे जरूरी विटामिन, फाइटोस्टेरॉल्स एवं फ्लेवनॉयड जैसे फाइटोकेमिकल्स, मैग्नीशियम, पोटेशियम और कैल्शियम जैसे मिनरल्स और अनसैचुरेटेड फैटी एसिड।

इसके साथ ही, टाइप-2 डायबिटीज पीड़ितों को हृदय रोगों के बढ़े हुए खतरे का भी सामना करना पड़ता है। बादाम में विटामिन ई और सेहतमंद फैट होती है जोकि दिल की परेशानियों को दूर करने में अहम भूमिका निभाते हैं। हार्वर्ड विश्वविद्यालय द्वारा कराए गए शोध में बताया गया है कि भोजन में बादाम को शामिल करने से टाइप-2 डायबिटीज पीड़ितों में कार्डियोवैस्कुलर रोगों का खतरा कम हो सकता है।

हरी पत्तेदार सब्जियां

हममें से ज्यादातर लोगों को अपने भोजन में हरी पत्तेदार सब्जियां शामिल करने के महत्व के बारे में जानकारी है। शोध बताते हैं कि हरी पत्तेदार सब्जियां खाने से टाइप-2 डायबिटीज होने का खतरा काफी कम हो सकता है। पालक, बंदगोभी, सहजन की पत्तियां, पुदीने की पत्तियां, अमरनाथ की पत्तियां, मेथी साग, मूली की पत्तियां कुछ ऐसी हरी पत्तेदार सब्जियां हैं जिन्हें नियमित रूप से भोजन में शामिल किया जा सकता है। इन सब्जियों में भरपूर मात्रा में फाइबर, विटामिन और मिनरल्स भरपूर मात्रा में होते हैं। कुछ सब्जियों में अल्फा-लिनोलेनिक रूप में ओमेगा-3 फैटी एसिड होता है।

अपनी डाइट में इन हरी पत्तेदार सब्जियों को शामिल करने के कई सारे तरीके हैं, जैसे सूप, सलाद या फिर ग्रीन जूस के रूप में सेवन। यदि आप इसे करी के रूप में बना रहे हैं तो इनके पोषक तत्वों का लाभ बनाए रखने के लिए ज्यादा तेल डालने से बचें।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)